epaper.dehatsandesh.com

3 जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ियों की उपेक्षा पर जताया विरोध

5 कुछ लोगों को हमेशा होती है शिकायत करने की आदत: गंभीर

8 फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की खेती

न्यूनतम 10

मौसम जम्मू

अधिकतम 24

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-60 | जम्मू तवी, शुक्रवार 07 मार्च, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

देश की सोच बदलने के कारण आज का भारत बड़े लक्ष्य हासिल करके दिखा रहा है : मोदी

नई दिल्ली, 06 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में पिछले एक दशक में किए गए सुधारों कार्यों की बदौलत जनमानस में जागे आत्मविश्वास का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की सोच बदलने के कारण आज का भारत बड़े लक्ष्य हासिल करके दिखा रहा है। प्रधानमंत्री गुरुवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में रिपब्लिक प्लेनरी समिट को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज दुनिया कह रही है कि यह भारत की सदी है। भारत की उल्लेखनीय उपलब्धियों ने वैश्विक स्तर पर नई आकांक्षाओं और उम्मीदों को जगाया है। एक समय ऐसा था जब यह कहावत प्रचलित थी कि 'वो तो डूबेगा, हमें भी ले डूबेगा', लेकिन अब भारत वैश्विक विकास को आगे बढ़ाने वाली एक प्रेरक शक्ति के रूप में उभरा है।

उन्होंने कहा कि आज का भारत बड़ा सोचता है और बड़े लक्ष्य तय करता है और आज का भारत बड़े नतीजे लाकर दिखा रहा है। ये इसलिए हो रहा है क्योंकि आज देश की सोच बदल गई है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने देश के लोगों की प्रेरणा को कुचल दिया था। इसलिए देश के लोगों ने उम्मीद लगानी भी छोड़ दी थी। आज देखिए, हालात और सोच कितनी तेजी से बदल गई है। अब लोग जानते हैं कि कौन काम कर सकता है, कौन नतीजे ला सकता है। आज सदन में विपक्ष भी यही भाषण करता है कि मोदी जी ये क्यों नहीं कर रहे हो। इसका मतलब है कि उनको भी लगता है कि यही करेगा।

प्रधानमंत्री ने नक्सलवाद को लेकर कहा कि देश में नक्सलवाद अब समाप्ति की ओर है। पहले 100 से अधिक जिले इस समस्या से बुरी तरह प्रभावित थे। लेकिन आज यह संख्या घटकर मात्र दो दर्जन रह गई है। यह महत्वपूर्ण प्रगति राष्ट्र प्रथम दृष्टिकोण को प्राथमिकता देने से हासिल हुई है। इन क्षेत्रों में हमने जमीनी स्तर पर शासन देने पर ध्यान केंद्रित किया। लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए हजारों किलोमीटर सड़कें बनाई गईं और स्कूल तथा अस्पताल बनाए गए। इन प्रयासों का असर पूरे देश में दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि निर्णायक कार्रवाई के कारण जहां वन क्षेत्रों से नक्सलवाद का धीरे-धीरे खात्मा हो रहा है, वहीं इसने शहरी क्षेत्रों में भी अपना प्रभाव फैलाना शुरू कर दिया है, जो एक नई चुनौती पेश कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज 250 से ज्यादा स्पेस स्टार्टअप्स देश में बन गए हैं, ये हमारे देश के युवाओं के कमाल हैं। भारत में गांव के घरों के प्रॉपर्टी राइट्स देने के लिए हमने स्वामित्व स्कीम शुरू की। इसके लिए हम गांव-गांव में ड्रोन से सर्वे करा रहे हैं और गांव के एक-एक घर की मैपिंग करा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हाल ही में, मुझे लगा कि मुझे एक लाख युवाओं को राजनीति में लाना चाहिए, और वे अपने परिवारों से पहली बार आने वाले होने चाहिए। इस तरह का आयोजन उस उद्देश्य के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा में आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट-2024-25 पेश की

'जम्मू-कश्मीर में मंत्रिपरिषद में कुल सदस्यों की संख्या विधानसभा में कुल सदस्यों के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए'

जम्मू 06 मार्च। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने वर्ष 2024-25 के लिए आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट की एक प्रति सदन के पटल पर रखी।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने गुरुवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में मंत्रिपरिषद में कुल सदस्यों की संख्या विधानसभा में कुल सदस्यों के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। हंदवाड़ा के विधायक सज्जाद गनी लोन के प्रश्न के लिखित उत्तर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला जो सामान्य प्रशासन विभाग के प्रभारी मंत्री हैं ने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम-2019 के अनुसार मंत्रिपरिषद की संख्या विधानसभा के कुल सदस्यों की संख्या के 10

प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों के पास मौजूद विभागों के नामों के बारे में पूछे गए प्रश्न पर सरकार ने पांच कैबिनेट मंत्रियों के पास मौजूद विभागों के नाम निर्दिष्ट किए हैं लेकिन मुख्यमंत्री के पास मौजूद विभागों के नामों का उल्लेख नहीं किया है। लिखित उत्तर में सरकार ने कहा कि किसी भी माननीय मंत्री को आवंटित नहीं किए गए विभाग माननीय मुख्यमंत्री के पास हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को घोषणा की कि कुपवाड़ा जिले में बुंगस घाटी को एक अनोखे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है और इस क्षेत्र के लिए कुल 72 लाख रुपये के विकास कार्य प्रस्तावित हैं।प्रश्नकाल के दौरान जम्मू-कश्मीर विधानसभा सदस्य शेख खुर्शीद के एक सवाल का जवाब देते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि 2024-25 के लिए योजना के लिए स्वीकृत आवंटन 30 लाख रुपये है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगस को एक अनोखे गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विभाग ने पूंजीगत बजट 2024-25 के तहत 72 लाख रुपये की राशि के विकास कार्यों का प्रस्ताव दिया है।

स्लैब के नीचे आने से व्यक्ति की मौत

श्रीनगर, 6 मार्च। त्राल में गुरुवार को स्लैब गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।

अब्दुल रहमान हजाम का पुत्र खुर्शीद अहमद हजाम गिरते हुए स्लैब के नीचे आ गया जिससे उसकी तत्काल मृत्यु हो गई।

इसकी पुष्टि करते हुए एक अधिकारी ने बताया कि उन्होंने आगे की जांच के लिए घटना का संज्ञान लिया है और जांच शुरू हो गई है।

ओवर ग्राउंड वर्कर पर पीएसए के तहत मामला दर्ज

कठुआ 06 मार्च । एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना की समग्र देखरेख में कठुआ पुलिस ने विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में शामिल 01 हार्डकोर अपराधी/ओवर ग्राउंड वर्कर को गिरफ्तार कर सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम 1978 (पीएसए) के तहत मामला दर्ज किया।

जनकारी के अनुसार एसडीपीओ बिलावर और एसएचओ पुलिस स्टेशन बिलावर की देखरेख में प्रभारी पुलिस पोस्ट रामकोट के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक ओवर ग्राउंड वर्कर को गिरफ्तार किया जिसका नाम भुट्टू पुत्र गामी निवासी धनोपरोल तहसील बिलावर जिला कठुआ है जो पिछले कुछ वर्षों से विभिन्न अवैध गतिविधियों में शामिल है।

जिले के भीतर अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए आरोपी व्यक्ति के खिलाफ डोजियर तैयार किया गया और सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम 1978 के तहत उसकी हिरासत के लिए जिला मजिस्ट्रेट कठुआ को भेजा गया। तदनुसार जिला मजिस्ट्रेट कठुआ ने सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम 1978 के तहत आरोपी व्यक्ति के खिलाफ नजरबंदी वारंट जारी किया। तदनुसार, वारंट आज निष्पादित किया गया है और उनकी अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए उन्हें जिला जेल उधमपुर में रखा गया है।

पुलिस ने अलूसा बांदीपोरा में पांच फरार आतंकवादियों की संपत्तियां जब्त कीं

जम्मू, 6 मार्च। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले के अलूसा इलाके में पांच फरार आतंकवादियों की संपत्तियां जब्त कीं।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जब्त की गई 18 कनाल की जमीन पांच फरार आतंकवादियों की है जिनमें फारूक अहमद गनी, मोहम्मद अब्दुल्ला मलिक, मोहम्मद यूनुस गुज्जर तुरक, सरफराज गुज्जर तुर्क और राशिद गुज्जर शामिल हैं। ये सभी अलूसा बांदीपोरा के निवासी हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस कश्मीर में आतंकवाद पर लगाम लगाने और इसके समर्थक नेटवर्क को नष्ट करने के लिए प्रतिबद्ध है। भविष्य में जिले के अन्य हिस्सों में फरार आतंकवादियों की और संपत्तियां जब्त की जाएंगी।

जम्मू-कश्मीर मसले का एकमात्र हल पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले हिस्से की वापसी : जयशंकर

लंदन, 06 मार्च । विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर मसले का एकमात्र बाकी हल पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले हिस्से की वापसी है।

डॉ. जयशंकर ने कल शाम यहां चैथम हॉल में संवाद कार्यक्रम में एक पाकिस्तानी पत्रकार के जम्मू-कश्मीर के मसले के समाधान के बारे में एक सवाल के जवाब में कहा, हमने इसमें से अधिकांश को हल करने के लिए अच्छा काम किया है। अनुच्छेद 370 को हटाना, विकास और समृद्धि को बहाल करना, चुनाव आयोजित करना जिसमें अभूतपूर्व मतदान दर्ज किया गया है।

विदेश मंत्री ने कहा, हम जिस चीज़ का इंतजार कर रहे हैं, वह कश्मीर के चोरी हुए हिस्से की

वापसी है, जो अवैध पाकिस्तानी कब्जे में है। जब ऐसा किया जाएगा, तो मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, कश्मीर मसला हल हो जाएगा।

पाकिस्तानी पत्रकार ने पूछा था कि अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प शांति एवं बातचीत से विवादों के समाधान के पक्षधर हैं तो क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कश्मीर के मसले के समाधान के लिए बात करेंगे।

अमेरिका में ट्रंप प्रशासन की नीतियों के भारत पर प्रभाव से संबंधित एक सवाल के जवाब में कहा, पिछले कुछ हफ्तों में हमने जो कुछ भी देखा है, वह वैसा ही है जैसी हमें पहले से उम्मीद थी। मुझे तो इस बात का आश्चर्य है, लोग आश्चर्यचकित हो रहे हैं।

इससे पहले लंदन की सड़कों पर खालिस्तानी अलगाववादियों एवं आतंकवादियों ने विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर के काफिले को रोक कर भारत विरोधी नारेबाजी की और भारत के राष्ट्रीय ध्वज को फाड़ कर अपमान किया।

आतंकवाद और नशीली दवाओं की तस्करी समाज के लिए समान रूप से गंभीर खतरा हैं : डीजीपी

जम्मू, 06 मार्च। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात ने आज कहा कि आतंकवाद और नशीली दवाओं की तस्करी समाज के लिए समान रूप से गंभीर खतरा हैं और उन्होंने कहा कि मैं नशीली दवाओं के खिलाफ लड़ाई और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को समान स्तर पर रखूंगा। डीजीपी ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बढ़ते खतरे को रोकने के लिए सामूहिक सामाजिक प्रयास की आवश्यकता पर जोर दिया।

जम्मू में थाना दिवस पर बोलते हुए डीजीपी नलिन प्रभात ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नशीली दवाओं की तस्करी एक संगठित अपराध नेटवर्क है जिसमें पश्चिमी क्षेत्रों से पाकिस्तान सीमा के माध्यम से मादक पदार्थों की तस्करी की जाती है जिसे आईएसआई द्वारा नियंत्रित किया जाता है।

उन्होंने कहा कि पुलिस और कानून प्रवर्तन एजेंसियां इस मुद्दे को सक्रिय रूप से संबोधित कर रही हैं लेकिन समाज को आगे आना चाहिए। यहां तक कि स्कूली बच्चे भी वर्दी में नशीली दवाओं और अन्य प्रतिबंधित पदार्थों के छोटे बैग बेचते पाए जाते हैं। माता-पिता और बड़े पैमाने पर समाज की ओर से निगरानी और नियंत्रण की कमी है।

एसीबी ने कथित भ्रष्ट जेई पर शिकंजा कसा, श्रीनगर, गंदेरबल में छापेमारी की गई

जम्मू, 6 मार्च । भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को आय से अधिक संपत्ति के आरोपों को लेकर जल शक्ति विभाग बारामुला में जूनियर इंजीनियर (जेई) गुलाम मोहम्मद भट से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की। एसीबी की टीमों ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधन 2018) के उल्लंघन का हवाला देते हुए एफआईआर संख्या 04/2025 के तहत श्रीनगर के जवाहर नगर में भट के आवास और गंदेरबल के सफापोरा में उनके पैतृक घर की तलाशी ली। अधिकारियों को शक है कि भट ने अपनी वैध आय से कहीं ज्यादा अवैध संपत्ति जमा की है। रिपोर्ट किए जाने के समय छापेमारी जारी थी। इस घटनाक्रम ने सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार को लेकर बहस छेड़ दी है, जिससे अधिकारियों के बीच गहरी वित्तीय कदाचार की चिंता बढ़ गई है।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने कहा कि 269 निर्माणों को विचलन के लिए नोटिस जारी किए गए

जम्मू, 06 मार्च । जम्मू-कश्मीर सरकार ने गुरुवार को कहा कि पहलगाम विकास प्राधिकरण (पीडीए) के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों में निर्माण में विचलन के लिए 269 नोटिस जारी किए गए हैं। पहलगाम में अवैध और अनधिकृत निर्माणों की कुल संख्या के बारे में विधायक पुलवामा वहीद-उर-रहमान पारा के प्रश्न के लिखित उत्तर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला जो पर्यटन विभाग के मंत्री भी हैं ने कहा कि पीडीए ने हाल ही में प्राधिकरण के बीओसीए द्वारा जारी अनुमतियों के अनुसार 269 विचलनों को नोटिस जारी किए हैं।

मंत्री ने कहा कि हालांकि इनमें से अधिकांश में पीएमएवाई और स्थानीय लोगों के आवासीय घर शामिल हैं जो संबंधित प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। मंत्री ने कहा कि पहलगाम विकास प्राधिकरण नोडल कार्यालय है जो अधिसूचित क्षेत्रों पीडीए के अधिकार क्षेत्र में होने वाले विचलन अवैध और अनधिकृत निर्माणों की जांच करता है और जब भी आवश्यकता होती है ध्वस्तीकरण अभियान चलाता है।

उपराज्यपाल ने दर्शनी देवड़ी, बाणगंगा और अर्धकुंवारी में तीर्थयात्रियों की सुविधाओं का किया उद्घाटन

जम्मू, 06 मार्च । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को राजभवन में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) की 74वीं बैठक की अध्यक्षता की। बोर्ड की बैठक में पिछले निर्णयों की व्यापक समीक्षा की गई और तीर्थयात्रियों की सेवाओं को बढ़ाने के लिए कई नए निर्णय लिए गए। इसके बाद उपराज्यपाल ने दर्शनी ड्योढ़ी, बाणगंगा में कतार परिसर और अर्धकुंवारी में होल्डिंग एरिया सहित कई तीर्थयात्री-केंद्रित सुविधाओं का उद्घाटन किया।

उपराज्यपाल की अध्यक्षता में हुई बोर्ड

की बैठक में नई और चल रही परियोजनाओं के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जैसे भवन में एक्जिट ट्रैक का निर्माण और मनोकामना क्षेत्र का पुनर्निर्माण (भवन क्षेत्र के लिए मास्टर प्लान का एक हिस्सा), कटरा के हट्ट गांव में श्रीशिव खोरी श्राइन बोर्ड के सहयोग से हेलीपैड का विकास, भवन में नया वैष्णवी भवन, खेल स्टेडियम के पास कॉटेज, कटरा, सांझीछत से भवन तक यात्रा ट्रैक का चौड़ीकरण और ककरयाल में बोर्ड के मेडिकल कॉलेज का संचालन।

राजस्व विभाग ने जनता की सुविधा के लिए ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया: सकीना इत्तू

जम्मू, 6 मार्च। स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने कहा कि सरकार ने जनता की आसानी के लिए विभिन्न राजस्व सेवाओं का लाभ उठाने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया है। मंत्री ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की ओर से विधायक सुरिंदर कुमार द्वारा पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही। मंत्री ने सदन को बताया कि राजस्व विभाग ने आवेदक के लिए प्रक्रिया में आसानी सुनिश्चित करने के लिए सीएलयू के आवेदन के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल रातमअमदनमण्दपबण्पद विकसित किया है। उन्होंने कहा कि इस पोर्टल के साथ आवेदक को ऐसी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए किसी भी सरकारी कार्यालय में जाने की आवश्यकता नहीं है। मंत्री ने धारा 133 ए, प्रोविज़ो 2 का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा फ़बशर्ते कि किसी भी कृषि भूमि का धारक संबंधित तहसीलदार को सूचित करने पर आवासीय घर का निर्माण कर सकता है या कृषि भवन, अनाज भंडारण, कृषि उपज का प्राथमिक प्रसंस्करण, कुएं या टैंक बना सकता है या आवासीय उद्देश्य या कृषि सुधार के लिए कोई अन्य सुधार कर सकता है, हालांकि, ऐसे भवन या सुधार का क्षेत्र कुल मिलाकर चार सौ वर्ग मीटर से अधिक नहीं होगा।

डूरू-वेरिनाग के लिए 3 ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र स्वीकृत

जम्मू, 06 मार्च। समाज कल्याण मंत्री सकीना इत्तू ने आज सदन को सूचित किया कि नगरपालिका समिति डूरू/वेरीनाग स्रोत पर कचरे को अलग करने के लिए सभी घरों में दोनों घरेलू कूड़ेदान वितरित करती है, साथ ही अनंतनाग जिले के दोनों शहरों में कचरे के अलग-अलग संग्रह के लिए वाणिज्यिक क्षेत्रों में जुड़वां कूड़ेदान स्थापित करती है। मंत्री ने विधानसभा में जी. ए. मीर द्वारा उठाए गए एक सवाल पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की ओर से जवाब देते हुए यह बात कही। मंत्री ने कहा कि घरों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों से कचरा एकत्र करने के लिए, 08 हॉपर नियमित रूप से तैनात किए जाते हैं और कचरे को बाद में वेरिनाग में सामग्री रिकवरी सुविधा संयंत्र में ले जाया जाता है।

कलोरन भीनी नाला पुल के लिए 583.78 लाख रुपये की डीपीआर बनाई गई: उप मुख्यमंत्री

जम्मू 06 मार्च। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने विधायक डॉ. रामेश्वर सिंह के सवाल का जवाब देते हुए सदन को बताया कि बनी में कालोरन, नंगला डल रोड पर भीनी नाला पर पुल के निर्माण के लिए 583.78 लाख रुपये की एक व्यापक डीपीआर तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि 583.78 लाख रुपये की लागत से 700 मीटर एप्रोच रोड के साथ 75 मीटर स्पान पुल के निर्माण के लिए डीपीआर तैयार किया गया है, जो संसाधनों की उपलब्धता के अधीन अगले वित्तीय वर्ष के दौरान मंजूरी देने वाले अधिकारियों के सक्रिय विचाराधीन है।

उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इस संबंध में शिकायत एलजी मुलाकात के वेब पोर्टल पर दर्ज की गई है।

4.26 लाख मीट्रिक टन पुराने कचरे का जैविक उपचार किया गया, 33 पृथक्करण मशीनें चालू हैं : सरकार

जम्मू, 6 मार्च। जम्मू-कश्मीर सरकार ने गुरुवार को कहा कि उसने केंद्र शासित प्रदेश में विभिन्न लैंडफिल साइटों पर डंप किए गए 4.26 लाख मीट्रिक टन पुराने कचरे का सफलतापूर्वक जैविक उपचार किया है।

विधानसभा में विधायक मीर मोहम्मद फैयाज के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला जो आवास और शहरी विकास विभाग के प्रभारी हैं ने बताया कि वर्तमान में प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन के लिए जम्मू-कश्मीर में 33 मैकेनिकल सेग्रीगेशन मशीनें चालू हैं।

उन्होंने आश्वासन दिया कि उचित खरीद प्रक्रिया का पालन करते हुए स्वीकृत योजना के अनुसार स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के तहत अतिरिक्त मशीनें खरीदी जा रही हैं।

अब तक केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न जिलों में खुले लैंडफिल साइटों पर डंप किए गए 4.26 लाख मीट्रिक टन पुराने कचरे का ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) नियम 2016 के अनुसार सफलतापूर्वक जैविक उपचार किया गया है।

एक महीने के भीतर एक व्यापक होम स्टे नीति तैयार करें: मुख्य सचिव

जम्मू, 06 मार्च। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने पर्यटन विभाग की एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें जेएंडके बैंक के एमडी और अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया, ताकि जम्मू-कश्मीर में पर्यटन क्षेत्र के समग्र प्रचार के लिए होमस्टे को मजबूत करने के लिए विभाग द्वारा उठाए गए कदमों, नीतिगत अपडेट और सुधार की गुंजाइश का मूल्यांकन किया जा सके।

इस अवसर पर मुख्य सचिव ने विभाग को यूटी के जिलों में होमस्टे के विकास के लिए एक व्यापक नीति तैयार करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श करने के बाद अगले एक महीने में इसे तैयार करने का आह्वान

किया।

उन्होंने वित्तीय संस्थानों द्वारा एक नया ऋण उत्पाद विकसित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया, जिसमें यहां होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए की जा सकने वाली हर गतिविधि शामिल होगी। उन्होंने होमस्टे में परिवर्तित किए जा सकने वाले कमरों की संख्या बढ़ाने के विकल्प पर विचार करने की सलाह दी। साथ ही, यहां होमस्टे के निर्माण और उन्नयन के लिए वित्त की मात्रा भी सुनिश्चित करने की सलाह दी।

अटल डुल्लू ने इस बात पर जोर दिया कि इस पर्यटन अभ्यास से जुड़े लोगों की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए इस योजना का दायरा बढ़ाया जाना चाहिए।

छुट्टियों में लें गोआ का मजा

भारत के पुराणों और प्राचीन ग्रंथों में गोवा का उल्लेख मिलता है। इसे पहले गोपराष्ट्र, गोपकपुरी, गोपकपट्टन, गोअंचल, गोवे, गोवापुरी, गोपकापाटन, गोमंत, चंद्रपुर और चंदौर नाम से जाना जाता था। परशुराम ने बाणों की वर्षा से इसे पीछे धकेल दिया था, इसी कारण इसे वाणस्थली भी कहा जाता है। जिस स्थान का नाम पुर्तगाल के यात्रियों ने गोवा रखा, वह आज का छोटा–सा समुद्र तटीय शहर गोअ–वेल्हा है। बाद में समूचे द्वीप क्षेत्र को गोआ या गोवा कहा जाने लगा। पुर्तगालियों ने यहां ईसाई धर्म का प्रचार–प्रसार किया। गोवा लगभग 500 वर्ष तक पुर्तगालियों के अधीन रहा। यहां की मातृ भाषा कोंकण और मराठी है। 1000 साल पहले कहा जाता है कि गोआ कोंकण काशी के नाम से जाना जाता था। हालांकि पुर्तगाली लोगों ने यहां के इतिहास और मूल संस्कृति का नामोनिशान मिटाकर धर्मांतरण का ही काम किया हो, ऐसा नहीं, उन्होंने यहां की प्राकृतिक और धन संपदा को लूटकर पुर्तगाल में भेज दिया।

भारतीय राज्य गोवा के तट विश्व प्रसिद्ध हैं। दुनिया भर से यहां लोग छुट्टियां मनाने आते हैं। गोवा चारों ओर समुद्र से घिरा है। यहां पहुंचने के लिए मुख्यतः दो मार्ग है- महाराष्ट्र के मुंबई से गोवा और कर्नाटक के बेलगाम से गोवा। गोवा की राजधानी पणजी है।

प्रदेश के सुनहरे लम्बे समुद्र तट, आकर्षक चर्च, मंदिर, पुराने किले और कलात्मक भग्नावशेषों ने पर्यटन को गोवा का प्रमुख उद्योग बना दिया है।

जहां, यहां संगीत, नाच-गाना, ड्रम और गिटार की धुनें शांत, स्वच्छ व मनोरंजक वातावरण प्रस्तुत करती हैं, वहीं यहां का समुद्री भोजन दुनिया भर में प्रसिद्ध है। भरपूर मौज मस्ती और मनोरंजन के लिए गोवा एक आदर्श स्थान है।

संपूर्ण गोवा में इतने अधिक समुद्र तट हैं कि पर्यटकों को गोवा के सभी तटों को देखने में एक महीने से भी अधिक वक्त लग जाएगा। गोवा के इन समुद्र तटों पर, आप समुद्र की लहरों पर वॉटर सर्फिंग, पैरासेलिंग, वॉटर स्किइंग, स्कूबा डाइविंग, वॉटर स्कूटर आदि का लुत्फ उठा सकते हैं।

पणजी, मडगांव, वास्को, मापुसा तथा पोंडा राज्य के प्रमुख शहर हैं। पणजी गोवा राज्य की राजधानी है, जो मांडवी नदी के तट पर स्थित है। यहां मांडवी नदी के ऊपर बना ब्रिज देखने लायक है।

पणजी में बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस चर्च और मूर्ति मंदिर, महालक्ष्मी मंदिर सहित कई प्राचीन मंदिर और चर्च है। यहां का पुराना शहर देखने लायक है। यहां अंग्रेजों के जमाने की जेल है, जहां स्वतंत्रता आंदोलन के सेनानियों को रखा जाता था। यहां नदी और समुद्र का संगम भी एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।

हम सभी को छुट्टियों का बहाना चाहिए। छुट्टियों का यदि सदुपयोग हो जाए तो उसका पूरा-पूरा मजा लिया जा सकता है। गोआ एक ऐसा स्थान है, जहां आप जिंदगी का भरपूर मजा ले सकते हैं।

यहां के लुभावने समुद्र तट व फ्रेंक लाइफ स्टाइल आपमें एक नई ऊर्जा का संचार कर देगी। यदि आप उन्मुक्तता पसंद करते हैं और अपने जीवनसाथी के साथ अंतरंग पल गुजारना चाहते हैं तो गोआ आपके लिए बेहतर पर्यटन स्थल सिद्ध होगा।

लुभावने समुद्र तट

गोआ भारत का एक ऐसा राज्य है जहां अनगिनत समुद्र तट हैं, जहां की स्वच्छंद व उन्मुक्त लाइफ स्टाइल पर्यटकों को गोआ की ओर खींच लाती है। गोआ में इतने अधिक बीच में है कि पर्यटक को गोआ के सभी बीचों को देखने में एक महीने से भी अधिक का वक्त लग जाएगा।

विदेशी सैलानियों की बहुतायत व लुभावने समुद्र तट का मस्त नजारा भारतीय पर्यटकों को भी सहसा गोआ आने को आमंत्रित करता है। नवविवाहितों के हनीमून के लिए भी गोआ एक बढ़िया स्थान है।

गोआ के कुछ प्रसिद्ध बीच दोला पाउला, कैलेंगुट, अंजुना, आरामबोल, कोलवा, मीरामार, वागाटोर, अगोंडा आदि हैं, जिनमें होकर मांडवी, चापोरा, जुआरी, साल, तालपोना और तीराकोल नामक छह नदियां बहती हैं।

अंजुना बीच

यह डबोलिन एयरपोर्ट से 57 किमी दूर स्थित है। यह गोआ के बड़े समुद्र तट में शुमार है। अंजुना बीच उत्तर, दक्षिण और मध्य तीन भागों में विभाजित है। इसके उत्तरी भाग में कई सारे बड़े, रेस्टोरेंट व होटल हैं। इस बीच पर एक बहुत बड़ा साप्ताहिक बाजार भी लगता है।

कैलेंगुट बीच

यह गोआ के समुद्र तट में सबसे खूबसूरत बीच है। डबोलिन एयरपोर्ट से इसकी दूरी 48 किमी है। यह गोआ पर्यटन का प्रमुख केंद्र है। यहां के तट नाइट डिस्को, रेस्टोरेंट व मार्केट पर्यटकों की पहली पसंद है। इस खूबसूरत बीच के आसपास बागा और कोडोंलिन दो अन्य समुद्र तट हैं। यह बीच तैराकी के लिए बहुत अच्छी जगह है। वाटर स्पोर्ट्स के लिए भी गोआ बहुत प्रसिद्ध है। गोआ के इन समुद्र तटों पर आप समुद्र की लहरों पर वाटर सर्फिंग, पैरासेलिंग, वाटर स्किडंग, स्कूबा डाइविंग, वाटर स्कूटर आदि का लुत्फ उठा सकते हैं।

मानसून में गोआ की खूबसूरती अपने चरम पर होती है। हरियाली की चादर ओढ़ने से यहां के समुद्रतटीय इलाके व सड़के और खूबसूरत हो जाती है और ऐसे में गोआ की सड़कों पर अपने हमसफर के साथ लांग ड्राइंग का मजा ही कुछ और होता है। आपको यहां बाइक आसानी से किराए पर मिल जाएंग, जिसकी सवारी करके आप गोआ के हसीन नजारों का आनंद उठा सकते हैं।

गोआ के प्रमुख शहर

पणजी

पणजी गोआ की राजधानी व एक प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। यहां की संकरी गलियां और उनमें स्थित सुंदर चर्च पणजी को एक अलग ही खूबसूरती प्रदान करते हैं। यहां का चर्च ऑफ अवर लेडी डमेक्यूलेट, लार्गो दा इग्रजा, गोआ स्टेट म्यूजियम, जामा मस्जिद, दूधसागर फॉल, महालक्ष्मी मंदिर और मास्ती मंदिर पर्यटकों के प्रमुख आकर्षण का केंद्र है।

मपुसा

यह गोआ का एक प्रमुख तीसरा बड़ा शहर है। शुक्रवार को लगने वाला यहां का साप्ताहिक बाजार पर्यटकों के लिए खरीददारी का अच्छा स्थान है। यहां का पुराना हनुमान मंदिर, द चर्च ऑफ अवर लेडी मिरेकल, लार्ड बोधगेश्वर टेंपल, टोर्डा आदि प्रमुख दर्शनीय स्थल है।

मडगाँव

यह दक्षिणी गोआ का प्रमुख नगर है। यह गोआ का दूसरा बड़ा शहर तथा व्यावसायिक केंद्र है। यहां के मार्केट बहुत प्रसिद्ध है। यदि आप शॉपिंग के शौकीन है तो मडगाँव आपके लिए एक अच्छा स्थान है। यहां के पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र चर्च ऑफ होली स्पिरिट, हाऊस ऑफ सेवन गेबेल्स, कोल्वा बीच, एनसेस्ट्रल गोआ आदि है।

गोआ के ऐतिहासिक चर्च व खूबसूरत मंदिर

गोआ के ऐतिहासिक चर्च व खूबसूरत मंदिर भी पर्यटकों को गोआ में छुट्टियां बिताने को आमंत्रित करते हैं। गोआ के ऐतिहासिक चर्चों में सेंट फ्रांसिस, ऑफ असीसी, होली स्पिरिट, पिलर सेमिनरी, सालीगाँव, रकोल आदि चर्च है। इसके अतिरिक्त सेंट काजरन चर्च, सेंट आगस्टोन टॉवर, ननरी ऑफ सेंट मोनिका तथा सेंट ऐक्स चर्च भी प्रसिद्ध है। गोआ के प्रसिद्ध मंदिरों में कामाक्षी, सप्तकेटेश्वर, श्री शांतादुर्ग, महालसा नारायणी, परनेम का भगवती मंदिर और महालक्ष्मी मंदिर आदि हैं।

गोआ के अभ्यारण

गोआ के कई संग्रहालय व अभ्यारण है। बोंडला अभ्यारण, कावल वन्य प्राणी अभ्यारण, कोटिजाओ वन्य प्राणी अभ्यारण आदि प्रमुख है। इसके अलावा गोआ का अगुडा किला भी प्रमुख दर्शनीय स्थलों में से एक है।

कब जाएं

गोआ जाने का सबसे बेहतरीन समय अक्टूबर से मार्च तक का होता है। इस मौसम में यहां बहुतायत में पर्यटक आते हैं। जून से सितंबर तक यहां बहुत अधिक वर्षा होती है इसलिए इस मौसम में यहां पर्यटक कम ही आते हैं। ईसाइयों की बहुलता के कारण क्रिसमस के समय गोआ में बहुत सारे सांस्कृतिक आयोजन होते हैं, जिनका आनंद लेने के लिए पर्यटक इस समय विशेष तौर पर गोआ आते हैं।

कैसे पहुंचे

गोआ का निकटतम हवाईअड्डा डबोलिन हवाई अड्डा है, जो गोआ से लगभग 29 किमी दूर है। गोआ के लिए दिल्ली मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई से सीधी विमान सेवा उपलब्ध है। गोआ कोंकण रेलवे से जुड़ा है अतः ट्रेन से भी आप आसानी से गोआ पहुंच सकते हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा भी गोआ का सीधा संबंध मुंबई बेंगलुरु पुणे आदि शहरों से हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

पीएम-यूएसएचए योजना के तहत प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सर्वोत्तम प्रथाओं पर कार्यशाला आयोजित

जम्मू, 6 मार्च (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) कटरा में गुणवत्ता आश्वासन निदेशालय ने विश्वविद्यालय कर्मचारियों की प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के लिए पीएम-यूएसएचए योजना के तहत प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सर्वोत्तम प्रथाओं पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय के मामलों के प्रभावी प्रबंधन के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं और सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं को पेश करना था। एसएमवीडीयू के कुलपति प्रो. प्रगति कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर शिरकत की और विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए कुशल प्रशासनिक प्रथाओं को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रशासनिक कर्मचारियों की पेशेवर क्षमताओं को बढ़ाने के लिए कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रोफेसर सुमीत गुप्ता, संकाय प्रभारी परीक्षाएं और सुरिंदर कुमार, सहायक रजिस्ट्रार (परीक्षा) के प्रयासों की सराहना की। कार्यशाला में डॉ. रविशंकर शर्मा, विशेष सचिव, कृषि उत्पादन विभाग, जेएंडके यूटी, और श्रीनिवास चंद्र प्रुस्ती, रजिस्ट्रार, भारतीय विधि संस्थान, दिल्ली सहित प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्ति शामिल थे। उन्होंने प्रभावी प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर व्यावहारिक व्याख्यान दिए और प्रतिभागियों के साथ संवादात्मक चर्चा की। डॉ. रविशंकर शर्मा ने सुचारू प्रशासन के लिए अनुकूलित प्रक्रियाओं को विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय की स्वायत्तता का उपयोग करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने व्यापक शैक्षणिक और सामाजिक प्रभाव के लिए यूजी और पीजी कार्यक्रमों में संकाय, विद्वानों और छात्रों के लिए शोध के अवसरों को बढ़ाने पर भी जोर दिया। इस बीच प्रुस्ती ने कर्मचारी उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए एक अनुकूल कार्य वातावरण की आवश्यकता को रेखांकित किया और अग्रणी संस्थानों में अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रशासनिक प्रथाओं को साझा किया।

जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ियों की उपेक्षा पर जताया विरोध

जम्मू, 6 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की अनदेखी और सरकारी लापरवाही के खिलाफ मूवमेंट कल्कि के बैनर तले एक अहम प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता मूवमेंट कल्कि के सलाहकार बोर्ड सदस्य प्रीतम शर्मा ने की जिसमें कई समाजसेवी, गणमान्य सदस्य और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रेस वार्ता में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि अन्य राज्यों में खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता, खेल कोटे में नौकरियां और विशेष प्रशिक्षण सुविधाएं मिल रही हैं, लेकिन जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ियों को लगातार उपेक्षित किया जा रहा है।मूवमेंट कल्कि ने सरकार से मांग की है कि राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों को आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाए, खेल कोटे की सरकारी नौकरियां बहाल की जाएं और उत्तर जम्मू में एक बड़े खेल स्टेडियम का निर्माण किया जाए। प्रीतम शर्मा ने कहा कि सरकार अगर जल्द से जल्द इन मांगों पर अमल नहीं करती तो मूवमेंट कल्कि बड़ा आंदोलन छेड़ेगा और यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक खिलाड़ियों को उनका हक नहीं मिल जाता।

विभिन्न पुलिस थानों में पुलिस संबंधित शिकायतों को सुनने के लिए लोक दरबार आयोजित

कटुआ 06 मार्च (हि.स.)। जम्मू कश्मीर पुलिस कटुआ ने आम जनता की पुलिस संबंधित और अन्य शिकायतों को सुनने के लिए एसएसपी कटुआ शोभित सक्सेना आईपीएस के निर्देशों पर गुरूवार को विभिन्न थाना स्तर पर थाना दिवस का आयोजन किया।

कटुआ पुलिस की ओर से जारी एक बयान में बताया गया कि थाना दिवस-लोक दरबार मनाने के कार्यक्रम के अनुसार जिला पुलिस कटुआ ने संबंधित पर्यवेक्षी अधिकारियों की देखरेख में अपने पुलिस स्टेशन स्तर यानी पीएस राजबाग, लखनपुर, हीरानगर, बसोहली और मल्हार में इस कार्यक्रम का आयोजन किया। सबसे पहले गांव खानपुर थाना राजबाग में एसएसपी कटुआ शोभित सक्सेना और एसडीपीओ बॉर्डर धीरज कटोच की मौजूदगी में थाना दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें गांव खानपुर और आस-पास के इलाकों के पूर्व सरपंच, पंच, दुकानदार, सेवानिवृत्त पुलिस कर्मी और अन्य सम्मानित लोगों ने भाग लिया।

इसके अलावा पुलिस और जनता के बीच समन्वय बढ़ाने के लिए पुलिस स्टेशन लखनपुर के अधिकार क्षेत्र में एक लोक दरबार भी आयोजित किया गया, जिसमें एडिशनल एसपी कटुआ राहुल चारक, पूर्व अध्यक्ष एमसी लखनपुर रविंदर कुमार, पूर्व अध्यक्ष सुरमू दीन, पूर्व अध्यक्ष एमसी लखनपुर काका राम और लखनपुर के अन्य प्रमुख नागरिक इस कार्यक्रम में मौजूद थे। पुलिस स्टेशन हीरानगर में थाना दिवस में नागरिक समाज के सदस्यों,

विभिन्न संस्थानों के छात्रों ने भाग लिया और समारोह की अध्यक्षता एसएसपी एसीबी जम्मू कुलवंत सिंह जसरोटिया ने की, साथ में एसपी ऑपरेशन कटुआ नासिर खान, एसएचओ हीरानगर, बीएमओ हीरानगर डॉ. स्वामी सरन और केंद्रीय प्रशासक वन स्टॉप सेंटर कटुआ अंजिशा भी उपस्थित थे। इस आयोजन का प्राथमिक फोकस स्थानीय लोगों को ड्रग्स/भ्रष्टाचार के खतरे से परिचित कराना था। इसके अलावा पुलिस स्टेशन कटुआ में थाना दिवस की अध्यक्षता डीएसपी मुख्यालय कटुआ रविंदर सिंह ने की, उनके साथ एसएचओ कटुआ संदीप चिब भी थे। मल्हार में थाना दिवस की अध्यक्षता एसपी ऑप्स अपर कटुआ, डीएसपी ऑप्स मल्हार और एसएचओ मल्हार ने की, जबकि बसोहली में थाना दिवस की अध्यक्षता एसडीपीओ बसोहली और एसएचओ बसोहली ने की, इस प्रकार, कुल मिलाकर बड़ी संख्या में नागरिक/शिकायतकर्ता अपनी शिकायतों के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए। भाग लेने वाले लोगों द्वारा रखी गई शिकायतों को धैर्यपूर्वक सुना गया और जरूरतमंद व्यक्तियों को कई पुलिस सेवाएं प्रदान की गईं।

पीएम श्री केवी हीरानगर में अत्याधुनिक बाल उद्यान स्थापित

कटुआ 06 मार्च (हि.स.)। शिक्षा और मनोरंजन के क्षेत्र में पहल करते हुए पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हीरानगर में अत्याधुनिक बाल उद्यान को स्थापित किया गया। संगठन के जम्मू संभाग के सहायक उपायुक्त अनिल कुमार ने वीरवार को इस उद्यान का उद्घाटन करते हुए इसे विद्यार्थियों को समर्पित किया।

समारोह में विद्यालय प्राचार्य नरिंदर चुम्बर सहित श्री माता वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी के पीआरओ जोगेंद्र शर्मा उपस्थित रहे। विद्यालय की प्राचार्य नरिंदर चुम्बर ने यह सुनिश्चित किया कि बच्चों को एक ऐसा खेल उद्यान मिले जो न केवल मनोरंजन का साधन बने बल्कि उनके शारीरिक और मानसिक विकास में भी सहायक हो। विद्यालय प्रशासन, शिक्षकगण, विद्यार्थी और अभिभावक सभी ने इस पहल की प्रशंसा की। सहायक उपायुक्त अनिल कुमार ने अपने सम्बोधन में कहा कि केंद्रीय विद्यालय हीरानगर पूरे संभाग में उदाहरण बनकर उभर रहा है।

उन्होंने इसका श्रेय स्कूल की प्रधानाचार्य को दिया। समारोह के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समा बांध दिया। पारंपरिक नृत्य, सव्वछता पर संगीतमय संदेश, प्राकृति से छेड़छाड पर प्रस्तुती ने दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर अभिभावक भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पीडीपी ने शहीदों के बारे में की गई अपमानजनक टिप्पणी के खिलाफ प्रदर्शन किया

श्रीनगर, 6 मार्च, (हि.स.)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने गुरुवार को विधानसभा में एक सत्र के दौरान 13 जुलाई के शहीदों के बारे में की गई अपमानजनक टिप्पणी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी नेता इल्तिजा मुफ्ती के नेतृत्व में विरोध मार्च पोलो व्यू श्रीनगर में समाप्त हुआ। इस अवसर पर बोलते हुए इल्तिजा मुफ्ती ने जोर देकर कहा कि 13 जुलाई, 1931 को जम्मू और कश्मीर में लोकतंत्र के लिए लड़ाई की शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर के लोगों ने लोकतांत्रिक आदर्शों के लिए बलिदान दिया जैसा कि देश के बाकी हिस्सों ने किया फर्क सिर्फ इतना था कि उनका संघर्ष एक स्थानीय शासक के खिलाफ था। इल्तिजा ने विवादास्पद टिप्पणी को हटाने के लिए स्पीकर अब्दुल रहीम राथर का आभार व्यक्त किया और भाजपा नेता सुनील शर्मा से बिना शर्त माफ़ी मांगने की मांग की। उन्होंने भाजपा पर राजनीतिक लाभ के लिए ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया। पीडीपी ने एक बयान में कहा कि भाजपा विभाजनकारी एजेंडे के साथ इतिहास से छेड़छाड़ करने की कोशिश कर रही है। अगर वे वास्तव में महाराजा हरि सिंह का सम्मान करते हैं तो उन्होंने जम्मू-कश्मीर के राज्य ध्वज इसके संविधान और विशेष दर्जे को क्यों रद्द कर दिया जिसके लिए उन्होंने विलय के समय बातचीत की थी पार्टी ने 13 जुलाई को सार्वजनिक अवकाश के रूप में बहाल करने की अपनी मांग को भी दोहराया व भाजपा के नेतृत्व वाले प्रशासन पर जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक विरासत को मिटाने का आरोप लगाया।

ट्रैक्टर दुर्घटना में एक व्यक्ति घायल

जम्मू, 6 मार्च (हि.स.)। किश्तवाड़ जिले के पालमार-दाज्जी मार्ग पर एक ट्रैक्टर दुर्घटना हुई जिसमें बदरान से दाज्जी मार्ग के निर्माण में लगे पंजीकरण संख्या (जेके19-6618) वाले ट्रैक्टर वाहन की टक्कर हो गई। खबर मिलते ही साथी कर्मचारी, पालमार पुलिस चौकी से पुलिस टीम और स्थानीय युवक घटनास्थल पर पहुंचे और घायल व्यक्ति को तुरंत उपचार के लिए जिला अस्पताल किश्तवाड़ पहुंचाया।

घायल व्यक्ति की पहचान रियाज अहमद पुत्र गुलाम नबी शेख निवासी चाका सर्वाग्नि, तहसील रामसू, जिला रामबन के रूप में हुई जिसके सिर में गंभीर चोटें आईं और उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी। जिला अस्पताल किश्तवाड़ में प्रारंभिक उपचार के बाद उसे उन्नत चिकित्सा देखभाल के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) जम्मू रेफर कर दिया गया है।

सोपोर का व्यक्ति 19 दिनों से दिल्ली में लापता

सोपोर, 6 मार्च (हि.स.)। सोपोर के 35 वर्षीय विक्रेता के परिवार के सदस्यों ने गुरुवार को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने बताया कि वह रहस्यमय परिस्थितियों में दिल्ली में लापता हो गया है। शब्बीर अहमद शाह के परिवार के सदस्यों ने कहा कि वह पिछले साल 31 दिसंबर को अपने व्यवसाय के लिए कुछ सामान खरीदने के लिए दिल्ली गया था हालांकि 16 फरवरी को उनका उससे संपर्क टूट गया। तब से उसका कोई पता नहीं चला है।उन्होंने अधिकारियों से उसे खोजने के प्रयास तेज करने का आग्रह किया। शब्बीर की पत्नी ने कहा कि वे 16 फरवरी तक नियमित संपर्क में थे और उसके बाद उनका उससे संपर्क टूट गया। उन्होंने सरकार और पुलिस अधिकारियों से हस्तक्षेप करने और उसकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने की हार्दिक अपील की। परिवार ने बताया कि उन्होंने शब्बीर से संपर्क टूटने के तुरंत बाद ही दिल्ली के नबी करीम पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा दी है। दिल्ली पुलिस ने पुष्टि की है कि उन्होंने शब्बीर के लापता होने की सूचना पहले ही प्रसारित कर दी है और मामले पर सक्रियता से काम कर रहे हैं। अधिकारियों ने शब्बीर अहमद शाह के ठिकाने के बारे में जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति से आगे आकर पुलिस को 8750870428 या 8744971797 पर सूचित करने का आग्रह किया है।

नशा मुक्त समाज बनाने की भारत सरकार की नई पहल, मास्टर स्वयंसेवकों के दिया प्रशिक्षण

कटुआ 06 मार्च (हि.स.)। नशा मुक्त समाज बनाने की भारत सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप जेकेएसपीवाईएम एसएलसीए जम्मू-कश्मीर ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत कटुआ जिले के मास्टर स्वयंसेवकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।इस कार्यक्रम में कटुआ के अतिरिक्त जिला आयुक्त रंजीत सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी वरुण चैधरी और समाज कल्याण विभाग के अन्य अधिकारी भी शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए एडीसी ने जम्मू-कश्मीर में युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की और मास्टर स्वयंसेवकों से प्रशिक्षण से पूरा लाभ उठाने और जिले में नशे की लत से लड़ने के लिए प्राप्त ज्ञान को लागू करने का आग्रह किया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत भाषण के साथ हुई, जिसके बाद जेकेएसपीवाईएम की कार्यक्रम निदेशक पल्लवी सिंह ने जेकेएसपीवाईएम और एसएलसीए जम्मू-कश्मीर का परिचय दिया।

प्रशिक्षण में लगभग 64 मास्टर स्वयंसेवकों ने भाग लिया, जिसमें नशा मुक्ति के विभिन्न पहलुओं पर चार सत्र शामिल थे, जैसे कि ड्रग्स, ड्रग उपयोग और इसके परिणामों पर जानकारी, जिला स्तरीय नशा मुक्त भारत अभियान, ड्रग उपचार और रोकथाम में हस्तक्षेप स्पेक्ट्रम और मास्टर स्वयंसेवकों और नशा मुक्त भारत नेताओं की भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ। एसएलसीए के संसाधन व्यक्तियों ने भारत में नशीली दवाओं के उपयोग के बढ़ते प्रचलन पर प्रकाश डालते हुए व्यापक प्रस्तुतियाँ दीं।

स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की दिशा में आईआरपी-19वीं बटालियन द्वारा योग सत्र आयोजित

कटुआ 06 मार्च (हि.स.)। अपने कर्मियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की एक महत्वपूर्ण पहल के तहत आईआरपी-19वीं बटालियन ने गुरूवार को अपने बटालियन मुख्यालय कटुआ में एक व्यापक योग सत्र का आयोजन किया। यूनिट के कमांडेंट रमेश अंगराल की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस बल के बीच समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और तनाव प्रबंधन तकनीकों को बढ़ावा देना था। जम्मू-कश्मीर आयुष विभाग के विशेषज्ञ योग प्रशिक्षकों द्वारा संचालित इस सत्र में बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सत्र की शुरुआत आयुष विभाग के प्रशिक्षकों द्वारा परिचयात्मक ब्रीफिंग के साथ हुई जिन्होंने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को बनाए रखने के लिए योग के महत्व पर जोर दिया। इसके बाद प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों के लिए चरण-दर-चरण मार्गदर्शन प्रदान करते हुए विभिन्न प्रकार के योग आसन और श्वास अभ्यास (प्राणायाम) का प्रदर्शन किया।

कमांडेंट ने अपने संबोधन में कर्तव्यों के निर्वहन में, विशेष रूप से कानून प्रवर्तन में, शारीरिक फिटनेस और मानसिक कल्याण की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने आयुष विभाग के योगदान के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की और अधिकारियों को अपने काम के मांगलिक पहलुओं को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद करने के लिए दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करने के महत्व पर बल दिया।

सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत रियासी पुलिस ने शुरू करवाई क्रिकेट टूर्नामेंट

जम्मू, 6 मार्च (हि.स.)। युवाओं को खेल के प्रति जागरूक करने के लिए रियासी पुलिस ने पुलिस लाइन रियासी में सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत क्रिकेट खेल प्रतियोगिता शुरू करवाई। प्रतियोगिता की शुरुआत एसएसपी रियासी परमवीर सिंह ने टॉस करवा कर की। प्रतियोगिता में कुल आठ टीमें भाग लेंगी जिसमें सात मैच करवाए जाएंगे। विजेता टीम को क्रिकेट किट और ट्रॉफी के साथ सम्मानित किया जाएगा। टूर्नामेंट का मकसद युवाओं को बड़े पैमाने पर खेलते हुए देखना है। मीडिया से बात करते हुए एसएसपी रियासी परमवीर सिंह ने बताया कि जिले के अंदर कई अलग अलग खेल प्रतियोगिताएं करवाई जा रही हैं जिसका मकसद है कि वह रियासी के युवाओं को एक अच्छे लेवल पर खेलते हुए देखना चाहते हैं उन्होंने बताया कि चाहे वह राज्य स्तर हो या फिर रणजी ट्रॉफी हो या फिर बड़ी क्रिकेट लीग जैसे आईपीएल जा फिर अंतर्राष्ट्रीय लेवल कि टूर्नामेंट हो वह रियासी के युवाओं को बड़े लेवल पर खेल में आगे लेकर जाना चाहते हैं जिसके लिए जिला पुलिस अलग-अलग खेल प्रतियोगिताएं करवा रही है।

डोगरा विरासत को कमजोर करने के लिए विधायक मोहम्मद यूसुफ तारिगामी ने भाजपा की आलोचना की

जम्मू, 06 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा सत्र के दौरान सीपीआई (एम) केंद्रीय समिति के सदस्य और कुलगाम के विधायक मोहम्मद यूसुफ तारिगामी ने जम्मू-कश्मीर के निवासियों के लिए नौकरी और भूमि अधिकारों की बहाली की मांग की जैसा कि मूल रूप से महाराजा हरि सिंह ने गारंटी दी थी।

तारिगामी ने मांग की कि क्षेत्र को उसकी मूल संवैधानिक स्थिति में बहाल किया जाए और इसके लोगों के मूल हितों की रक्षा करने की जाए।

चर्चा उपराज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान हुई जहां तारिगामी ने 13 जुलाई, 1931 के शहीदों के बारे में भाजपा के नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) सुनील शर्मा द्वारा की गई टिप्पणियों का जोरदार खंडन किया। तारिगामी ने वरिष्ठ भाजपा सदस्यों द्वारा की गई टिप्पणियों पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वरिष्ठ सहयोगियों ने ऐसे शब्द कहे हैं। इतिहास जानना बहुत-बहुत महत्वपूर्ण है। तारिगामी ने कहा कि अमृतसर की संधि के बाद 1846 में डोगरा राज्य का उदय हुआ। उन्होंने बताया कि कश्मीर जिसका 5,000 साल पुराना इतिहास है अंग्रेजों द्वारा बेचा गया, वही औपनिवेशिक शक्ति जिसके खिलाफ भगत सिंह जैसे स्वतंत्रता सेनानियों ने लड़ाई लड़ी थी।

साइबर सेल कटुआ ने ऑनलाइन ठगी की गई 10,45,161 रुपये की राशि बरामद की

कटुआ 06 मार्च (हि.स.)।एसएसपी कटुआ शोभित सक्सेना की समग्र देखरेख में जिला साइबर सेल कटुआ ने फरवरी 2025 के महीने में कई शिकायतों में 10,45,161 रुपये की ठगी की गई राशि वसूल कर साइबर अपराध से निपटने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है।

साइबर सेल डीपीओ कटुआ ने एक बार फिर कई साइबर अपराध शिकायतों में धोखेबाजों से 10,45,161 रुपये की राशि सफलतापूर्वक बरामद की है, जो ऑनलाइन ट्रेडिंग और निवेश के बारे में विभिन्न रणनीति अपनाकर लोगों को धोखा देते थे और पीड़ितों से पैसे ऐंठते थे। कुछ शिकायतों में पीड़ित को टेलीग्राम समूह और अन्य प्लेटफार्मों (फेसबुक, व्हाट्सएप आदि) के माध्यम से पैसा निवेश करने के लिए कहा गया था। इस संबंध में शिकायतकर्ताओं ने धोखाधड़ी से ठगे जाने की साइबर सेल कटुआ से संपर्क किया, मामले का संज्ञान लेते हुए साइबर सेल कटुआ ने जांच शुरू करने में कोई समय नहीं लगाया और अपने समर्पित कुशल मानव संसाधन के माध्यम से परम पेशेवर उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हुए तेजी से कार्रवाई की और कुछ ही समय में धोखेबाजों से 10,45,161 रुपये की खोई हुई राशि बरामद की गई।

प्रासंगिक रूप से स्थापना की तारीख से साइबर सेल कटुआ ने अब तक 63,18,886 रुपये की ठगी की गई राशि को सफलतापूर्वक बरामद किया है।

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने, शराब और नशीली दवाओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग

जम्मू, 6 मार्च (हि.स.)। मिशन स्टेटहुड जम्मू कश्मीर के अध्यक्ष सुनील डिंपल ने ट्रांसपोर्टरों और प्रमुख नागरिकों के साथ बीसी रोड, रेहाडी चुंगी में एक विरोध रैली का नेतृत्व किया जिसमें जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने और क्षेत्र के लिए एक विशेष दर्जा देने की मांग की गई। सभा को संबोधित करते हुए डिंपल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से महाराजा हरि सिंह जी की पुण्यतिथि के सम्मान में 24 अप्रैल को राजपत्रित अवकाश घोषित करने का आग्रह किया।

उन्होंने जम्मू और श्रीनगर के बीच सरकारी कार्यालयों को स्थानांतरित करने की ऐतिहासिक परंपरा को पुनर्जीवित करने के लिए अप्रैल 2025 से दरबार मूव को तुरंत फिर से शुरू करने की भी मांग की।

डिंपल ने राज्य का दर्जा बहाल करने पर चुप रहने के लिए भाजपा विधायकों की कड़ी आलोचना की और उन पर अपनी दस साल की विफलताओं से ध्यान हटाने का आरोप लगाया। उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और सभी 90 विधायकों से जम्मू-कश्मीर में शराब और नशीले पदार्थों पर प्रतिबंध लगाने के लिए विधानसभा में विधेयक पारित करने का आह्वान किया। उन्होंने शराब माफिया की सीबीआई जांच की मांग की और आरोप लगाया कि बाहरी शराब माफियाओं और स्थानीय व्यापारियों के गठजोड़ ने भाजपा के समर्थन से जम्मू-कश्मीर के शराब उद्योग पर कब्जा कर लिया है।

श्री महंत शांति गिरी जी महाराज को जम्मू कश्मीर मंडल की नई उपाधि दी गई

कटुआ 06 मार्च (हि.स.)। श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा 13 मढ़ी जगरावा परिवार के मुख्य संरक्षक एवं अखाड़ा के परिषद श्री महंत हरि गिरी जी महाराज के नेतृत्व में ब्रहमलीन श्री महंत संग्रांद गिरी महाराज जी एवं श्री महंत आनंद गिरी जी महाराज की कृपा से हाल ही में महाकुंभ में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में श्री महंत शांति गिरी जी महाराज को जम्मू कश्मीर मंडल की नई उपाधि दी गई इस उपलक्ष पर संत समाज से रामेश्वर दास जी पुरानी मंडी जम्मू, जम्मू संत समाज न्यास के महामंत्री महंत राजेश गिरी जी, मोहन भारती जी दत गिरी जी, बसंत पुरी महाराज जी, महंत श्रुति जी, श्री पद्मावती गिरी जी, महाराज पारस गिरी जी, महाराज श्याम सुंदर गिरी जी के साथ जम्मू से संत जम्मू सहित प्रदेश के बाहरी राज्यों से आए संत समाज ने जम्मू कश्मीर के प्रवेश द्वार लखनपुर में स्थित किले वाली माता मंदिर में गुरुवार को महाकुंभ के दौरान नई उपाधि पाने वाले श्री महंत शांति गिरी जी महाराज का अभिनंदन किया और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर लखनपुर स्थित किले वाली माता मंदिर में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीसी कटुआ राकेश मिन्हास सहित विभिन्न विभागों के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। जिन्होंने श्री महंत शांति गिरी जी महाराज को हार पहनकर अभिनंदन किया और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर कटुआ के सांसद डॉक्टर जितेंद्र सिंह द्वारा किले वाले मंदिर में नए शैड के निर्माण के लिए 10 लाख का चेक भी भेंट किया गया, जिसे डीसी कटुआ ने महाराज जी को सौंपा। श्री महंत शांति गिरी जी से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए कटुआ जिला के विभिन्न जगहों से संगत का आगमन हुआ और उन्होंने प्रसाद ग्रहण किया। इससे पहले मंदिर परिसर में सत्संग कीर्तन का भी आयोजन किया गया।

OFFICE OF STATE DRUGS CONTROLLER DRUGS & FOOD CONTROL ORGANISATION, J&K, JAMMU

PUBLIC NOTICE

Whereas Drugs and Magic Remedies (Objectionable Advertisements) Act,1954 relates to regulation enacted to control the advertisement of drugs in certain cases, to prohibit the advertisement for certain purposes of remedies alleged to possess magic qualities and to provide for matters connected therewith;

Whereas it has been observed that certain nefarious elements are indulging in certain omissions/contraventions like advertisement of certain drugs for treatment of certain diseases and disorders; misleading advertisements relating to drugs making a false claim; advertisement of magic remedies for treatment of certain diseases and disorders; import into, and export from, India of certain advertisements in violation to the provisions laid down under the said regulation;

Whereas the above regulation provides for below penalties for who so ever contravenes any of the provisions of the said Act :

(a) in the case of the first conviction, with imprisonment which may extend to six months, or with fine, or with both;

(b) in the case of a subsequent conviction, with imprisonment which may extend to one year, or with fine, or with both.

Now, therefore, it is informed through the medium of this notice that if any person /entity who indulges in any activity related to misleading advertisement of magic remedies for treatment of the disease or disorder or condition covered under the Schedule /Regulation(sections 3(d) and 14)(i.e Appendicitis ,Arteriosclerosis, Blindness , Blood poisoning, Bright's disease. , Cancer , Cataract, Deafness, Diabetes , Diseases, disorders of the brain. Diseases and disorders of the optical system ,Diseases and disorders of the uterus , Disorders of menstrual flow, Disorders of the nervous system, , Disorders of the prostatic gland, Dropsy, Epilepsy, Female diseases (in general) , Fevers (in general). , Fits, Forms and structure of the female bust.,Gall stones, kidney stones and bladder stones, Gangrene , Glaucoma. , Goitre. , Heart diseases. , High or low blood pressure,. Hydrocele, Hysteria, Infantile paralysis, Insanity, Leprosy, Leucoderma, Lockjaw, Locomotor ataxia, Lupus. ,. Nervous debility, Obsesity,. Paralysis, Plague. , Pleurisy, Pneumonia, Rheumatism., Ruptures., Sexual impotence, Smallpox, . Stature of persons,Sterility in women.,Trachoma, Tuberculosis, Tumours. , Typhoid fever, Ulcers of gastrointestinal tracts, Venereal diseases, including syphilis, gonorrhea, soft chancre, venereal granuloma and lympho granuloma) shall invite action as contemplated under the provisions laid down under the said regulation by the empowered authorities.

The public at large is requested to report any incidence which contravenes the provisions of the saidAct to the Controlling cumLicensing Authority @ controllerdrugs-foodjk@gmail.com,0191-2538527 for appropriate action against the offenders as per the legal provisions.

No :DFO/D-279/5503-5521 Date : 05.03.25

DIP/J-10802/24
Dtd:6-3-2025

-Sd-
State Drugs Controller,
Drugs & Food Control Organization,
J&K, Jammu

संपादकीय

यातायात नियमों का उल्लंघन, गैर-अनुपालन की संख्या में बढ़ोतरी

हालांकि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि जम्मू में जिला प्रशासन अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों में यातायात की स्थिति को सुधारने के लिए लगातार काम कर रहा है, लेकिन यह भी सच है कि प्रयासों के बावजूद जम्मू की सड़कों पर यातायात नियमों का उल्लंघन और गैर-अनुपालन की संख्या बढ़ती जा रही है, जिससे दुर्घटनाएं और संबंधित मौतें हो रही हैं।

इस संबंध में जिला मजिस्ट्रेट ने कथित तौर पर मोटर वाहन अधिनियम के सख्त अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रवर्तन अभियान चलाने का आदेश दिया है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, सड़क सुरक्षा उपायों की समीक्षा करने और भविष्य की कार्रवाई की रणनीति बनाने के लिए जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के दौरान। जिले में यातायात की स्थिति को सुधारने के लिए ऐसी बैठकें जरूरी हैं, क्योंकि जम्मू में अभी भी ऐसे स्थान हैं जहां यात्री यातायात नियमों की परवाह नहीं करते और इस तरह से वाहन चलाते हैं जैसे कि यह उनकी निजी जागीर हो और वे इस जिले की सड़कों पर कुछ भी कर सकते हैं।

यह अजीब है कि प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी निगरानी और असंख्य यातायात पुलिस टुकड़ियों की तैनाती के बावजूद, क्षेत्र में यातायात प्रबंधन अभी भी एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। हालांकि डीएम जम्मू ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के अलावा अस्पष्ट या छेड़छाड़ की गई नंबर प्लेट वाले वाहनों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया है, लेकिन प्रवर्तन दल अपने दृष्टिकोण में सुस्त दिखाई देते हैं क्योंकि इस तरह के निर्देश पहले भी कई बार जारी किए जा चुके हैं, लेकिन सड़कों पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। हितधारकों को चंडीगढ़ यूटी की ट्रैफिक पुलिस से सीख लेने की सलाह दी जाती है, जो यातायात को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और शहर की सड़कों को अपने नागरिकों और आगंतुकों के लिए सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिन लोगों को चंडीगढ़ में ड्राइविंग का अनुभव है, उन्हें पता होगा कि उस यूटी की ट्रैफिक पुलिस हमेशा ट्रैफिक नियमों और विनियमों को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में रखती है ताकि सड़क उपयोगकर्ता दिन के किसी भी समय घूमने में सुरक्षित महसूस करें। ट्रैफिक पुलिस द्वारा किए गए बहुमूल्य प्रयासों के कारण, चंडीगढ़ शहर यातायात नियमों के अनुपालन के लिए एक द्वीप के रूप में प्रसिद्ध हो गया है। जम्मू जिले में या पूरे यूटी जम्मू और कश्मीर में इसी तरह के प्रयासों का अनुकरण करना समय की मांग है ताकि इस क्षेत्र को भी यातायात प्रबंधन के मामले में सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रों में से एक बनाया जा सके।

महिलाओं के प्रति नजरिया बदलने का वक्त

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत वह देश है जहां महिलाओं की सुरक्षा और इज्जत का खास ख्याल रखा जाता है। अगर हम 21वीं सदी की बात करें तो यहां की महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला काम कर रही है। अब तो भारत की संसद ने भी महिलाओं के लिए लोकसभा व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक पास कर दिया है। इससे आने वाले समय में भारत की राजनीति में महिलाओं की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण होनी तय है। देश में महिलाओं को अब सेना में भी महत्वपूर्ण पदों पर तैनात किया जाने लगा है। यह महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

यहां महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार है। महिलायें देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं तथा विकास में भी बराबर की भागीदार हैं। आज के युग में महिला पुरुषों के साथ ही नहीं बल्कि उनसे दो कदम आगे निकल चुकी है। महिलाओं के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। भारतीय संविधान के अनुसार महिलाओं को भी पुरुषों के समान जीवन जीने का हक है। भारत में नारी को देवी के रूप में देखा गया है। कहा जाता है कि जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं। प्राचीन काल से ही यहां महिलाओं को समाज में विशिष्ट आदर एवं सम्मान दिया जाता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 08 मार्च 1911 से पूरे विश्व में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाना है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का थीम है- कार्रवाई में तेजी लाना।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक साल 2023 में भारत में महिलाओं के खिलाफ कुल 4,05,861 अपराध दर्ज किए गए। इनमें सबसे ज्यादा घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न के मामले हैं। यह आंकड़े समाज में महिलाओं की सुरक्षा के प्रति समाज और परिवार की उदासीनता को दर्शाते हैं। 2022 में 4,45,256 मामले, 2021 में 4,28,278 मामले 2020 में 3,71,503 मामले दर्ज किए गए थे। आंकड़ों के मुताबिक प्रति एक लाख आबादी पर महिला अपराध की दर 66.4 फीसदी रिकॉर्ड की गई। भारतीय दंड संहिता के तहत महिलाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा 31.4 फीसदी जुर्म पति या उसके रिश्तेदारों की क्रूरता के हैं। इसके बाद अपहरण के 19.2 फीसदी, शील भंग करने के इरादे से हमले के 18.7 फीसदी और दुष्कर्म के 7.1 फीसदी मामले हैं। पिछले साल देश में जितने मामले सामने आए उनमें से 2,23,635 यानी 50 फीसदी उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में दर्ज किए गए। उत्तर प्रदेश में 2021 में महिला अपराध के 56,083 और और 2020 में 49,385 मामले दर्ज किए थे। इसके बाद राजस्थान (40,738 और 34,535), महाराष्ट्र (39,526 और 31,954), पश्चिम बंगाल (35,884 और 36,439) और मध्य प्रदेश (30,673 और 25,640) रहे थे।

भारत में वर्षों से महिला सुरक्षा से जुड़े कई कानून हैं। इसमें हिंदू विडो रीमैरिज एक्ट 1856, इंडियन पीनल कोड 1860, मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट 1861, क्रिस्चियन मैरिज एक्ट 1872, मैरिड वीमेन प्रॉपर्टी एक्ट 1874,चाइल्ड मैरिज एक्ट 1929, स्पेशल मैरिज एक्ट 1954, हिन्दू मैरिज एक्ट 1955, फॉरेन मैरिज एक्ट 1969, इंडियन डाइवोर्स एक्ट 1969, मुस्लिम वुमन प्रोटेक्शन एक्ट 1986, नेशनल कमीशन फॉर वुमन एक्ट 1990, सेक्सुअल हर्रास्मेंट ऑफ वुमन एट वर्किंग प्लेस एक्ट 2013 आदि। इसके अलावा 7 मई 2015 को लोक सभा ने और 22 दिसम्बर 2015 को राज्य सभा ने जुवेनाइल जस्टिस बिल में भी बदलाव किया है। इसके अन्तर्गत यदि कोई 16 से 18 साल का किशोर जघन्य अपराध में लिप्त पाया जाता है तो उसे भी कठोर सजा का प्रावधान है।

राष्ट्रीय महिला आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा। देश भर से पूरे साल में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 28,811 शिकायतें मिलीं। इसमें 16 हजार से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश राज्य से आए । दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 2,411 मामले दर्ज किए गए। महाराष्ट्र में 1,343, बिहार में 1,312 और मध्य प्रदेश में 1,165 इतने मामले दर्ज किए गए हैं।

2023 के 12 महीने बाद जारी किए गए इस रिपोर्ट में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध में दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म जैसे अपराध दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की यह रिपोर्ट महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता दिखाती है। आंकड़ों के मुताबिक देश भर में यौन उत्पीड़न के 805 मामले, साइबर अपराध के 605 मामले, पीछा करने की 472 मामले और सम्मान से जुड़े अपराध के खिलाफ 409 शिकायतें दर्ज कराई गईं। आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बलात्कार के मामले भी शामिल हैं। साल 2023 में बलात्कार और बलात्कार के प्रयास के 1,537 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद गरिमा के अधिकार के तहत 8,540, घरेलू हिंसा के 6,274, दहेज उत्पीड़न के 4,797, छेड़छाड़ के 2,349,और महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता के 1,618 मामले दर्ज किए गए।

2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले 2022 की तुलना में कम हुए हैं। 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 30,864 मामले दर्ज किए गए थे। जबकि 2023 में यह संख्या घटकर 28,278 हो गई। यह एक सकारात्मक संकेत है लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। साल 2022 के बाद से शिकायतों की संख्या में कमी देखी गई है। जब 30,864 शिकायतें प्राप्त हुई थी, जो 2014 के बाद से सर्वाधिक आंकड़ा था। जहां तक बात महिलाओं की सुरक्षा की आती है तो पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अभूतपूर्व निर्णयों से महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई प्रबंध किए हैं। आज भारत में महिलाएं पहले की अपेक्षा ज्यादा सुरक्षित है।

हम एक तरफ महिलाओं को हर क्षेत्र में बराबरी का दर्जा देकर उन्हे आगे बढ़ा रहें है। वहीं दूसरी तरफ उनके साथ अत्याचार की घटनाओं में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आये दिन हमें महिलाओं के साथ बलात्कार, दुर्व्यवहार होने की घटनाये सुनने को मिलती रहती है। ऐसी घटनाओं से महिला सशक्तीकरण के अभियान को धक्का लगता हैं। देश में महिलाओं के प्रति खराब होते माहौल को बदलने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं अपितु हर आम आदमी की भी है। हम सभी को आगे आकर महिला सुरक्षा की लड़ाई में महिलाओं का साथ देना होगा तभी देश की मातृ शक्ति सर उठा कर शान से चल सकेगीं। अब महिलाओं को समझना होगा कि आज समाज में उनकी दयनीय स्थिति समाज में चली आ रही परम्पराओं का परिणाम है। इन परम्पराओं को बदलने का बीड़ा स्वयं महिलाओं को ही उठाना होगा। तभी समाज में उनके प्रति सोच बदल पाएगी।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

ट्रंप की गणित, दुनिया भ्रमित

विक्रम उपाध्याय

दुनिया तेजी से बदलती है...। और उससे भी ज्यादा तेजी से बदलते हैं वे देश, जो अपने हित के लिए पूरी व्यवस्था बदलने का माद्दा रखते हैं। अमेरिका इस मामले में अकेला देश है, जो खेल का नियम अपने लाभ के लिए बनाता है। राष्ट्रपति ट्रंप अकेले उदाहरण नहीं हैं। कुछ लोग भले ही उनको सनकी मान रहे हों, पर इसके पहले भी अमेरिका फर्स्ट के नारे को साधने के लिए नियमों के साथ खिलवाड़ अमेरिकी हुक्मरानों ने किया है। पिछले चार दशकों में अमेरिकी मनमानेपन के शिकार कई देश हुए हैं। इराक, अफगानिस्तान, ईरान जैसे देश कुछ तो अपने कारण, और बहुत कुछ वाशिंगटन नीति के कारण ही तबाह हुए।

पिछली सदी के 90 के दशक में यह अमेरिका और उसके साथ जुड़े कुछ खास दोस्त ही थे, जिन्होंने डंकल प्रस्ताव लाकर पूरी दुनिया के व्यापार को एक साथ अपने इशारे पर चलने का कुचक्र रचने का सफल प्रस्ताव किया, कृषि पर ट्रिप्स और व्यापार पर ट्रिम्स लागू कर सभी देशों को अपने हिसाब से चलाने की कोशिश की गई। ट्रिप्स प्रावधानों में यहां तक ज्यादती की गई, कि इन समझौतों पर हस्ताक्षर करने वाला देश अपने गरीब किसानों को कोई सब्सिडी न देने पाए। एक तरफ अमेरिका और यूरोप अपने उत्पादों को दुनिया के बाजार में आसानी से उतारने के लिए अपने यहां भारी इनसेंटिव दे रहे थे और दूसरी तरफ भारत जैसे विकासशील देशों पर तरह के प्रतिबंध लगा रहे थे। जब देश में प्रधानमंत्री के रूप में भाजपा के सर्वशक्तिमान नेता अटल बिहारी वाजपेयी विराजमान थे, तब अमेरिका ने मात्रात्मक प्रतिबंध नियमों के बहाने कई वस्तुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। तब मदनलाल खुराना संसदीय कार्य मंत्री थे। उन्होंने मात्रात्मक प्रतिबंध का अमेरिकी फैसले का पुरजोर विरोध किया था, तब उनको अपना पोर्टफोलियो खोना पड़ा था। अमेरिका तब पाकिस्तान के प्रेम में था और अपना प्रभाव पाकिस्तान को भारतीय कोप से बचाने में भी करता था। तब जार्ज बुश ने पाकिस्तान को तो अपने हित साधने के लिए एफ 16 युद्धक विमान दे दिया, लेकिन भारत के लिए इनकार कर दिया।

राष्ट्रपति ट्रंप व्यापार के नए नियम बनाना और चलाना चाहते हैं। उनके लिए कोई देश उनका अपना नहीं है, भारत भी नहीं। तमाम विशेषज्ञों ने ये दावे किए थे कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को निभाते हुए ट्रंप भारत के खिलाफ कोई आक्रामक रुख अख्तियार नहीं करेंगे। पर ये सारे कयास धरे के धरे रह गए। जो व्यवहार ट्रंप ईर्ष्यावश मैक्सिको के साथ कर रहे हैं, वही व्यवहार वह भारत के साथ भी करते दिख रहे हैं। जिस तरह से अमानवीय व्यवहार भारत के गैरकानूनी प्रवासियों के साथ ट्रंप प्रशासन ने किया, उसके बाद यह अपेक्षा बेमानी है कि ट्रंप, मोदी सरकार को कोई विशेष छूट देने की सोच भी रहे हैं। वह कोई मौका नहीं चूक रहे हैं, जहां भारत को लेकर चेतावनी वाले लहजे की गुंजाइश बनती हो। वह प्रधानमंत्री मोदी को अपने से ज्यादा हार्ड बार्गेनर तो बताते हैं, लेकिन यह कहना भी नहीं चूकते कि वह जल्दी ही इंपोर्ट ड्यूटी नई दिल्ली के खिलाफ भी लगाने जा रहे है। ट्रंप की नजर में भारत का ऑटो सेक्टर, इंजीनियरिंग सेक्टर, केमिकल इंडस्ट्री और कपड़ा इंडस्ट्री चुभ रही है। वह इन सभी क्षेत्रों पर अलग ड्यूटी बढ़ाने की धमकी दे रहे है। यह धमकी सच साबित हुई तो, संभव है कि भारत का निर्यात 30 प्रतिशत तक घट जाए। यह एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। अगले साल तक भारत की अर्थव्यवस्था पांच ट्रिलियन की बनाने की मोदी की योजना को भी झटका लग सकता है । ट्रंप की एकतरफा कार्रवाई, अमेरिका के लिए कितनी लाभकारी होगी, इसे लेकर बहुत सारी आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। ट्रंप ने जो भी कदम उठाए हैं, वे अभी तक फलीभूत नहीं हो पा रहे हैं। उसका सबसे बड़ा कारण यह है कि सभी फैसले बिना सोच विचारे किए जा रहे हैं। किसी भी देश के साथ ट्रेड ड्यूटी या शुल्क को लेकर ट्रंप प्रशासन ने कोई वार्ता या समिट भी नहीं की है। इसलिए जिन देशों के खिलाफ ट्रेड ड्यूटी बढाई गई हैं, वे भी अब अमेरिका के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की तैयारी में हैं। कनाडा ने तो अमेरिका के कई प्रांतों को अपने यहां से दी जा रही बिजली रोकने की धमकी दी है। चीन भी अमेरिका को परेशान करने वाले कदमों की तैयारी कर रहा है। ट्रंप चाहे जितना शोर मचा ले, अंत में अकेले रहने का जोखिम नहीं उठा सकते। भारत में मोदी सरकार अभी खामोशी अख्तियार किए हुए है। सभी संदर्भित मंत्रालय अपनी-अपनी तैयारी में लगे है। एक कूटनीतिक प्रयास के तहत देश के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल अपने अमेरिकी समकक्ष के साथ बातचीत में जुटे हुए हैं। इन सबसे अलग मोदी इस बात से आश्वस्त हैं कि यदि ट्रंप सरकार, चीन को अपना प्रमुख प्रतिद्वंद्वी मानती है, और कोई अलायंस बनाती है तो भारत को अनदेखा नहीं कर सकती है। हालांकि युक्रेन को झटका और रूस के साथ नजदीकियां ट्रंप के लिए एक नया विकल्प हो सकता है। युक्रेन से अमेरिकी मदद हटाने के एवज में रूस वाशिंगटन के नजदीक जाने से इनकार नहीं कर सकता और संभव है कि चीन के साथ अपने रणनीतिक संबंधों में भी फेरबदल करने को तैयार हो जाए, पर भारत की स्ट्रेजिक लोकेशन और चीन की काट के लिए बनाए गए रणनीतिक गठबंधन को अमेरिका नकार भी नहीं सकता। फिर भारत इस समय पूरी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है और खुद मोदी का कद बहुत ऊंचा हो चुका है। ऐसे में कोई भी देश भारत को सीधा अपने खिलाफ करने से गुरेज करेगा। ...और ट्रंप भी भारत को नाराज नहीं करना चाहेंगे।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

त्रिभाषा नीति और चुनौतियां

प्रियंका सौरभ

देश में भाषा शिक्षा को लेकर चर्चा जारी है। तमिलनाडु में त्रिभाषा नीति का कड़ा विरोध भाषायी पहचान और केंद्र की नीतियों के बारे में महत्वपूर्ण चिंता को उजागर करता है। वास्तविक शैक्षिक सुधार के लिए भाषा शिक्षण की गुणवत्ता को बढ़ाना आवश्यक है, न कि केवल नीतिगत ढांचों पर ध्यान केंद्रित करना है। केंद्र और राज्य के बीच सकारात्मक बातचीत और व्यावहारिक समझौता ही आगे का सबसे अच्छा रास्ता है। आपातकाल के दौरान शिक्षा को समवर्ती सूची में शामिल किया गया था, जिसका अर्थ है कि यह एक संयुक्त जिम्मेदारी है। त्रिभाषा (तीसरी भाषा) से सम्बंधित विवादों के कारण समग्र शिक्षा, जो एक आवश्यक शिक्षा पहल है, के वित्तपोषण में बाधा नहीं आनी चाहिए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 बहुभाषी शिक्षा को बढ़ाने और भाषायी विविधता की सुरक्षा के उद्देश्य से त्रिभाषा ढांचा प्रस्तुत करती है। आठवीं अनुसूची में मान्यता प्राप्त 22 आधिकारिक भाषाओं और बोलियों की समृद्ध विविधता के साथ, क्षेत्रीय आवश्यकताओं और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन हासिल करना काफी चुनौतीपूर्ण है। गैर-हिन्दी भाषी राज्यों की चिंताएं कथित भाषायी प्रभुत्व से सम्बंधित मुद्दों और इस नीति को कार्यान्वित करने में व्यावहारिक कठिनाइयों पर जोर देती हैं। त्रिभाषा नीति का लक्ष्य बहुभाषिकता को प्रोत्साहित करना है, जिससे राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा और भारत का भाषायी परिदृश्य समृद्ध होगा। उदाहरण के लिए, उत्तर भारतीय स्कूलों में तमिल पढ़ाने से सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा मिल सकता है और क्षेत्रीय अंतर को पाटने में मदद मिल सकती है।

अनेक भाषाओं, विशेषकर क्षेत्रीय भाषाओं में दक्षता से सरकारी नौकरियों, अनुवाद और पर्यटन में विभिन्न कैरियर के रास्ते खुलते हैं। इसके अलावा, कूटनीति और बहुराष्ट्रीय निगमों में पदों के लिए बहुभाषी कौशल अकसर आवश्यक होते हैं। नीति में यह अनिवार्य किया गया है कि सीखी जाने वाली कम से कम दो भाषाएं भारत की मूल भाषाएं हों, जिससे देश की भाषाई विरासत और साहित्य का संरक्षण हो सके। देश की शास्त्रीय और क्षेत्रीय भाषायी परंपराओं को बनाए रखने के लिए संस्कृत, बंगाली, तेलुगु और मराठी जैसी भाषाओं का प्रचार-प्रसार अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालांकि, तमिलनाडु, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य इस नीति को हिन्दी को धीरे-धीरे थोपने की नीति के रूप में देखते हैं। चूंकि शिक्षा एक समवर्ती विषय है, इसलिए केंद्रीकृत भाषा सीखने की नीति लागू करना संघीय सिद्धांतों के लिए चुनौतियां उत्पन्न करता है। तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की तीन-भाषा आवश्यकता का पालन नहीं करने का विकल्प चुना है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य के लिए समग्र शिक्षा अभियान के तहत वित्त पोषण में देरी हो रही है।

इसके अतिरिक्त, कई राज्यों को इन अतिरिक्त भाषाओं के लिए योग्य शिक्षकों की कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे सरकारी स्कूलों में कार्यान्वयन जटिल हो रहा है। उदाहरण के लिए, ओडिशा और केरल के स्कूलों को सीमित उपलब्धता के कारण हिन्दी शिक्षकों को ढूंढने में संघर्ष करना पड़ रहा है। अतिरिक्त भाषा पाठ्यक्रम शुरू करने से भी छात्रों पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे गणित जैसे आवश्यक विषयों में उनकी दक्षता प्रभावित हो सकती है। क्षेत्रीय दलों का प्रतिरोध भाषा नीतियों को अपनाने में महत्वपूर्ण चुनौतियाँ उत्पन्न करता है। गैर-हिंदी भाषी राज्यों में राजनीतिक समूह अकसर इन नीतियों को अपने स्थानीय शासन में घुसपैठ के रूप में देखते हैं, जिसके परिणामस्वरूप विरोध होता है। कई ग्रामीण छात्रों को दूसरी भाषा सीखने में कठिनाई होती है, जिससे तीसरी भाषा सीखने की प्रक्रिया जटिल हो जाती है। उदाहरण के लिए, ग्रामीण बिहार में 40 फीसद छात्रों को अंग्रेजी भाषा सीखने में कठिनाई होती है, जिससे उनकी अन्य भाषाएं सीखने की क्षमता में बाधा आती है।

राज्य हिन्दी की अपेक्षा अपनी क्षेत्रीय भाषाओं को प्राथमिकता देते हैं, जिससे केंद्रीय नीतियों के साथ उनका सम्बंध टूट जाता है। पश्चिम बंगाल में बंगाली-अंग्रेजी शिक्षा पर अधिक जोर दिया जाता है तथा अनिवार्य हिन्दी शिक्षा को अस्वीकार कर दिया जाता है। सरकारी स्कूलों में, विशेषकर आर्थिक रूप से वंचित राज्यों में, अक्सर भाषा शिक्षकों, संसाधनों और डिजिटल भाषा प्रयोगशालाओं के लिए आवश्यक धन की कमी होती है। पूर्वोत्तर भारत में तीसरी भाषा पढ़ाने के लिए योग्य शिक्षकों की कमी से प्रभावी नीति कार्यान्वयन में बाधा आती है। राज्यों के लिए एक मानकीकृत त्रिभाषा नीति का पालन करने की बजाय अपनी क्षेत्रीय भाषा चुनने की स्वतंत्रता होना अधिक लाभदायक होगा। उदाहरण के लिए, कर्नाटक सरकार हिन्दी लागू करने के बजाय कन्नड़, अंग्रेजी और विद्यार्थी की पसंद की भाषा पढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर सकती है। शिक्षक प्रशिक्षण को बढ़ावा देना, ई-लर्निंग संसाधनों का विकास करना, तथा भाषा अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करना स्थिति में काफ़ी सुधार ला सकता है।

आंध्र प्रदेश में डिजिटल भाषा प्रयोगशाला पहले से ही प्रौद्योगिकी के माध्यम से स्थानीय भाषा शिक्षा को बढ़ावा देने में प्रगति कर रही हैं। छात्रवृत्ति, करियर प्रोत्साहन और व्यावहारिक भाषा प्रशिक्षण की पेशकश से छात्रों को स्वेच्छा से अतिरिक्त भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। यूजीसी संस्कृत, पाली और फारसी में अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करता है, जिससे भाषायी विविधता को बनाए रखने में मदद मिलती है। केंद्र को भाषा नीति पर चर्चा में राज्यों को शामिल करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करती है। संयुक्त शिक्षा समिति की स्थापना से राज्यों को कार्यान्वयन प्रक्रिया में अधिक आवाज मिल सकेगी। मूल समस्या, शिक्षा में भाषा मानक और शिक्षण गुणवत्ता में गिरावट। कोचिंग सेंटरों ने विज्ञान और गणित में बढ़त ले ली है, तथा भाषा शिक्षा को पीछे छोड़ दिया है। यद्यपि कई सरकारी स्कूलों में अंग्रेज़ी एक अनिवार्य विषय बन गया है, फिर भी प्रवीणता का स्तर निराशाजनक रूप से निम्न बना हुआ है।

शिक्षकों का सीमित अंग्रेजी कौशल सीधे तौर पर छात्रों की पढ़ाई पर प्रभाव डालता है, जैसा कि आंध्र प्रदेश में अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा की ओर बदलाव से स्पष्ट है। हिन्दी के लिए भी स्थिति बहुत बेहतर नहीं है। इस भाषा में शिक्षण स्तर का भी उतना ही अभाव है। हिन्दी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को अकसर सक्रिय शिक्षण के लिए आवश्यक उपकरण के बजाय मात्र सांस्कृतिक प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इसके अतिरिक्त, पढ़ने की आदतों में गिरावट भाषा शिक्षा के क्षेत्र में अधिक महत्त्वपूर्ण चुनौतियों की ओर इशारा करती है। स्कूलों में पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा नहीं दिया जा रहा है, जिससे अंततः दीर्घकालिक भाषा कौशल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। भारत की विविधता में एकता बनाए रखने के लिए एक समेकित भाषायी ढांचा तैयार करना आवश्यक है। भाषा के चयन में लचीलापन प्रदान करना, शिक्षक प्रशिक्षण को बढ़ाना, तथा क्षेत्रीय भाषा शिक्षा को बढ़ावा देना कार्यान्वयन सम्बंधी बाधाओं को दूर करने में सहायक हो सकता है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत बनाम न्यूजीलैंड फाइनल मैच 9 मार्च को खेला जाएगा. मैच भारतीय समयनुसार दोपहर 2 बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा.

भारत की संभावित एकादशः रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेट कीपर), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद शमी, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती.

न्यूजीलैंड की संभावित एकादशः विल यंग, रचिन रविंद्र, केन विलियमसन, डेरिल मिशेल, टॉम लैथम (विकेट कीपर), ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, मिशेल सेंटनर (कप्तान), मैट हेनरी, काइल जैमिसन, विल ओरौर्के.

स्पेशल ओलंपिक्स भारत ने भारतीय दल के लिए किया विदाई समारोह का आयोजन

नई दिल्ली। स्पेशल ओलंपिक्स भारत ने नई दिल्ली स्थित मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में भारतीय दल के लिए भव्य विदाई समारोह आयोजित किया। समारोह में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, स्पेशल ओलंपिक्स भारत की अध्यक्ष डॉ. मल्लिका नड्डा और कार्यकारी निदेशक डॉ. वी.के. महेंदु उपस्थित रहे। इटली के ट्यूरिन में आयोजित स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड विंटर गेम्स 2025 में 49 सदस्यीय दल, जिसमें 30 एथलीट और 19 सहयोगी स्टाफ शामिल हैं, भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। 8 से 15 मार्च तक आयोजित होने वाले इन खेलों में भारतीय दल छह खेल स्पर्धाओं एल्पाइन स्कीइंग, क्रॉस कंट्री स्कीइंग, फ्लोरबॉल, शॉर्ट-ट्रैक स्पीड स्केटिंग, स्नोबोर्डिंग और स्नोशूइंग में भाग लेगा। इस वैश्विक प्रतियोगिता में 102 देशों के 1500 से अधिक एथलीट 8 खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारतीय दल 6 मार्च को इटली के लिए रवाना होगा, जहां वे पूरी ताकत से प्रतिस्पर्धा करेंगे।

रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप में रायगढ़ के सचिन चौहान का हुआ चयन

रायगढ़। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ द्वारा सीनियर एलीट ग्रुप इंटर डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों का चयन किया गया, जिसमें रायगढ़ के उभरते क्रिकेटर सचिन चौहान का नाम भी शामिल है। सचिन चौहान ने अपने शानदार प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया और लगातार सातवीं बार रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप में जगह बनाई है। छत्तीसगढ़ सीनियर प्लेट कंबाइंड टीम के लिए चुने गए खिलाड़ियों को 5 मार्च को सुबह 11 बजे तक रायपुर के होटल बेबीलोन कैपिटल में रिपोर्ट करना होगा, जिसके बाद दोपहर 2 बजे से आरडीसीए ग्राउंड, रायपुर में अभ्यास सत्र शुरू होगा। खिलाड़ियों को अपने आधार कार्ड, सीएससीएस यूनिफॉर्म और किट बैग साथ लाने के निर्देश दिए गए हैं। सचिन चौहान का क्रिकेट सफर आसान नहीं रहा, लेकिन अपनी लगन, अनुशासन और कड़ी मेहनत से उन्होंने खुद को साबित किया। रणजी ट्रॉफी के पिछले सत्र में उन्होंने एक ही मैच में 8 विकेट लेकर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा था। हालांकि, निजी कारणों से उन्हें एक मैच में खेलने का मौका नहीं मिला था, लेकिन अपने प्रदर्शन के दम पर उन्होंने फिर से टीम में जगह बनाई। बता दें एलीट ग्रुप टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ की रणजी ट्राफी टीम में सीधे चयनित होने का मौका मिलेगा, जिससे सचिन सहित अन्य खिलाड़ियों के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण प्रतियोगिता साबित हो सकती है।

धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों ने दूसरे दिन बहाया जमकर पसीना

धर्मशाला। धर्मशाला में मौसम साफ होते ही धर्मशाला के खूबसूरत एचपीसीए स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों ने दूसरे दिन भी जमकर अभ्यास किया। आईपीएल 2025 के लिए पंजाब किंग्स की टीम इन दिनों धर्मशाला में है। 22 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट के तहत किंग्स इलेवन पंजाब की टीम ने स्टेडियम में पांच दिवसीय अभ्यास सत्र शुरू कर दिया है। टीम के स्पिन गेंदबाज युजवेंद्र चहल, बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह और ऑलराउंडर सुशांक सिंह पहले ही धर्मशाला पहुंच चुके थे। हालांकि, बीते दिनों खराब मौसम के चलते खिलाड़ियों को अभ्यास करने में परेशानी का सामना करना पड़ा था लेकिन अब मौसम अनुकूल होते ही खिलाड़ी मैदान पर जमकर पसीना बहा रहे हैं। आईपीएल मुकाबलों के मद्देनजर किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाड़ी रणनीति बनाने और अपनी तकनीक को धार देने में जुटे हुए हैं। टीम प्रबंधन के अनुसार, धर्मशाला के इस शानदार मैदान में अभ्यास करने से खिलाड़ियों को मैच कंडीशंस के अनुरूप खुद को तैयार करने का बेहतर मौका मिलेगा। उल्लेखनीय है कि एचपीसीए स्टेडियम अपनी खूबसूरती और पहाड़ों के बीच बसे होने के कारण क्रिकेट प्रेमियों और खिलाड़ियों के लिए हमेशा से खास आकर्षण का केंद्र रहा है।

कुछ लोगों को हमेशा होती है शिकायत करने की आदत : गौतम गंभीर

एजेंसी

दुबई। भारतीय टीम के प्रमुख कोच गौतम गंभीर ने चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के एक ही पिच पर खेल कर अनुचित लाभ लेने को लेकर हो रही चर्चा के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि कुछ लोगों को हमेशा शिकायत करने की आदत होती है।

गंभीर ने पिच की परिस्थितयों के सवाल के जवाब में कहा, यह हमारे लिए उतना ही सामान्य मैदान है, जितना किसी और टीम के लिए। हमने यहां नहीं खेला है। मुझे याद नहीं कि हम आखिरी बार यहां कब खेले थे। और सच कहूं तो हमने ऐसी कोई योजना नहीं बनाई थी। योजना यह थी कि अगर आप 15 खिलाड़ियों की टीम में दो मुख्य स्पिनर चुनते हैं, तो चाहे हम पाकिस्तान में या कहीं भी खेलते, हम दो मुख्य स्पिनर ही चुनते क्योंकि यह उपमहाद्वीप में होने वाला टूर्नामेंट था।

उन्होंने कहा, इसलिए ऐसा नहीं है कि हम स्पिनरों का जाल बिछाना चाहते थे। अगर आप देखें तो हमने पहले दो मैचों में केवल एक मुख्य स्पिनर को खिलाया। हमने इस मैच और पिछले मैच में दो मुख्य स्पिनर खिलाए। जहां तक 'अनुचित लाभ' की बात है इसके बारे में बहुत बहस हो रही है। हमने यहां एक दिन भी अभ्यास नहीं किया है, हम आईसीसी अकादमी में अभ्यास कर रहे हैं। वहां और यहां की परिस्थितियां बिल्कुल अलग हैं। कुछ लोगों की हमेशा शिकायत करने की आदत होती है, उन्हें अपनी आदत में सुधार लाना चाहिए। मुझे लगता है कि ऐसा कुछ नहीं था कि हमें कोई अनुचित लाभ मिला हो।

एक अन्य सवाल के जवाब में गंभीर ने कहा, आपने एक बहुत अच्छा शब्द इस्तेमाल किया कि हमने 'बिना किसी गलती के क्रिकेट' खेला। हमें अभी एक और मैच खेलना है। हम जानते हैं कि हमारी एक अच्छी एकदिवसीय टीम है और हमने इस टूर्नामेंट में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है।

सीनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप : 5वें दिन के मुकाबलों में झारखंड, एमपी और उत्तराखंड ने दर्ज की जीत

एजेंसी

पंचकूला। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के पांचवे दिन डिवीजन ' के मुकाबले शुरू हुए, जहां हॉकी मध्य प्रदेश और हॉकी झारखंड ने शानदार जीत दर्ज की। इसके अलावा, हॉकी उत्तराखंड ने डिवीजन 'B' में अपना मुकाबला जीतकर डिवीजन 'A' में प्रमोशन हासिल किया।

हॉकी उत्तराखंड ने असम हॉकी को 9-0 से हराया, जिससे उसने लगातार तीसरी जीत दर्ज की और पूल में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस जीत के साथ टीम अगले सत्र में डिवीजन 'A' में खेलेगी। प्रीति शर्मा (16', 18', 52') और वर्तिका रावत (23', 35', 45') ने शानदार हैट्रिक लगाई। कप्तान ममता भट्ट (4', 57') और हेमा सिंह (19') ने भी गोल किए।

डिवीजन 'A': कड़े मुकाबले और जीत

हॉकी मध्य प्रदेश ने उत्तर प्रदेश हॉकी को 2-1 से हराया और तीन अहम अंक अर्जित किए। ह्रतिक सिंह (7') ने पहला गोल किया। राजनी बाला (31') ने बराबरी का गोल किया। नीलू दड़िया (53') ने पेनल्टी कॉर्नर पर निर्णायक गोल कर मध्य प्रदेश को जीत दिलाई। वहीं दूसरे मुकाबले में हॉकी झारखंड ने हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु को 9-2 से हराकर दमदार शुरुआत की। एलिन डुंगडुंग (13', 24') और कप्तान अलबेला रानी टोप्पो (17', 34') ने दो-दो गोल किए। प्रमोदिनी लकड़ा (15'), होरो संजना (27'), रजनी केकेटा (39'), सुषमा कुमारी (50') और निक्की कुल्लू (60') ने भी गोल दागे। तमिलनाडु के लिए एस सोनिया (31') और वैरावी एम (51') ने सांत्वना गोल किए।

रक्षा बलों से जुड़ी महिलाओं द्वारा मिक्स्ड मास्टर्स गोल्फ प्रतियोगिता का आयोजन

एजेंसी

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक अनूठी पहल करते हुए राजस्थान में जयपुर में सात और आठ मार्च को रक्षा बलों जुड़ी महिलाओं द्वारा मिश्रित मास्टर्स 2025 गोल्फ प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

सैन्य प्रवक्ता कर्नल अमिताभ शर्मा ने बताया कि यह विशेष पहल फेयरवे क्रेस्ट महिला गोल्फिंग ग्रुप की अध्यक्ष फ्लाइट लेफ्टिनेंट डॉ. अर्पिता शर्मा और उनके सहयोगियों द्वारा की जा रही है, जिसमें स्क्वाड्रन लीडर एसपीएस कौशिक की पत्नी डायना कौशिक और कर्नल जोगिंदर तंवर की पत्नी रूपाली तंवर शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं, बच्चों और दिग्गजों के बीच गोल्फ को बढ़ावा देना है।

उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में अन्य शहरों से भी बड़ी संख्या में गोल्फ खिलाड़ी भाग लेंगे। सात और आठ मार्च को होने वाली इस प्रतियोगिता में पुरुष और महिला खिलाड़ी शिरकत करेंगे। विजेताओं

का फैसला दो दिवसीय 18 होल गोल्फिंग राउंड के आधार पर किया जाएगा।

कर्नल शर्मा ने बताया कि पुरस्कारों में पुरुष और महिला वर्ग में रोलिंग ट्रॉफी और उपविजेता पुरस्कार, दोनों श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ ड्रेस वाले गोल्फ खिलाड़ी और स्पॉट पुरस्कारों में पिन के सबसे नजदीक सबसे लंबी ड्राइव और सबसे सीधी ड्राइव के लिए पुरस्कार शामिल हैं। आठ मार्च को महिलाओं के लिए ड्रेस कोड गुलाबी रंग होगा।

गुलमर्ग में खेलो इंडिया विंटर गेम्स के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा योजना

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में बारामूला जिले के विश्वप्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग में आगामी 09 मार्च से होने जा रहे खेलो इंडिया विंटर गेम्स (केआईडब्ल्यूजी) के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा योजना तैयार की गयी है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक केआईडब्ल्यूजी के सुचारू और सुरक्षित संचालन के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने वास्ते पुलिस नियंत्रण कक्ष कुन्जर में उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। उप महानिरीक्षक (उत्तरी कश्मीर रेंज) मकसूद-उल-ज़मान ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में बताया कि प्रमुख स्थलों, आवास सुविधाओं और पारगमन मार्गों को कवर करते हुए बहुस्तरीय सुरक्षा योजना तैयार की गयी है। प्रतिभागियों, अधिकारियों और दर्शकों के लिए सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करने के वास्ते जम्मू-कश्मीर पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की विशेष

तैनाती की गयी है। सुचारू आवागमन की सुविधा के लिए, सख्त प्रवेश नियंत्रण उपाय, तोड़फोड़ विरोधी जाँच और सीसीटीवी निगरानी लागू की गयी है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा दल नियमित रूप से क्षेत्र का निरीक्षण और गश्त भी करेंगे।पुलिस ने सभी उपस्थित लोगों से सुरक्षा कर्मियों के साथ सहयोग करने, दिशा-निर्देशों का पालन करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने का आग्रह किया ताकि सफल और घटना-मुक्त कार्यक्रम सुनिश्चित करने में मदद मिल सके।

किक बॉक्सिंग वर्ल्ड कप इटली हेतु तारकेश बने भारतीय टीम के कोच

एजेंसी

कोरबा। अंतराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी से सम्बद्ध किक बॉक्सिंग खेल की अंतराष्ट्रीय इकाई वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ किकबॉक्सिंग आर्गेनाइजेशन एवं इटालियन किकबॉक्सिंग फेडरेशन के तत्वाधान में जेसेलो इटली में 5 से 10 मार्च 2025 तक किक बॉक्सिंग वर्ल्ड कप का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें दुनिया भर से विभिन्न देशों एवं क्लबों की 418 टीमों से कुल 2693 खिलाड़ी भाग ले रहे। उक्त प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में मंत्रालय युवा मामले एवं खेल भारत सरकार से मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय संस्था वाको इंडिया किक बॉक्सिंग फेडरेशन के द्वारा भारतीय टीम के प्रशिक्षक का दायित्व तारकेश मिश्रा को प्रदान किया गया है। जिले के सी एम ए किक बॉक्सिंग एकेडमी में इनके मार्गदर्शन द्वारा प्रशिक्षित खिलाड़ी लगातार देश विदेश में किक बॉक्सिंग खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे है। प्रशिक्षण प्राप्त खिलाड़ियों ने डबलिन आयरलैंड, अनापा रूस, साउथ कोरिया, अंटालिया टर्की जैसे देशों में भारत देश का प्रतिनिधित्व किया है। इन्हीं उपलब्धियों के आधार पर तारकेश मिश्रा को चौथी बार भारतीय टीम के कोच का दायित्व फेडरेशन ने दिया है। इसी प्रकार कोरबा जिले में अध्ययनरत तथा वर्तमान में बिलासपुर निवासी आकाश गुरुदिवान का चयन इस प्रतियोगिता में +91 कि ग्रा वजन वर्ग के फूल कांटेक्ट इवेंट हेतु किया गया है। आकाश ने पहले भी राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर एशियाई तथा विश्व स्तरीय प्रतियोगिता साउथ कोरिया एवं डबलिन आयरलैंड में शिरकत कर मान बढ़ाया है। वर्तमान में इनका चयन सीनियर नेशनल प्रतियोगिता 2024 एवं 4थी इंडियन ओपन इंटरनेशनल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। 9 सदस्यीय भारतीय किकबॉक्सिंग टीम राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में वर्ल्ड कप इटली हेतु 4 मार्च की देर रात अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा नई दिल्ली से रोम एवं 5 मार्च को रोम से वेनिस जेसेलो के लिए प्रस्थान की। टीम रवाना होने से पूर्व अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा में सेंड ऑफ सेरेमनी का आयोजन कर भारतीय किकबॉक्सिंग दल का सम्मान किया गया। प्रदेश की इस उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ किक बाक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा, क्रीड़ा भारती के प्रांत मंत्री सुमित उपाध्याय, मनीष मंडल, राजीव अग्रवाल, कोरबा जिला ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष नौशाद खान, सचिव सुरेश क्रिस्टोफर, जिला खेल अधिकारी दिनु पटेल, रामकृपाल साहू, राजेश मालाकार, सेवानिवृत क्रीड़ा अधिकारी पी एल चौधरी, क्रीड़ा अधिकारी के आर टण्डन, क्रीड़ा भारती कोरबा के अध्यक्ष बलराम विश्वकर्मा,रत्नेश तिवारी, हेमंत रजक, डॉ आकाश रजक, जुल्फिकार अली, दुर्गेश पटेल सीएमए किक बॉक्सिंग एकेडमी की संचालिका प्रीती मिश्रा, अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी प्रतिभा राय,रेहाना फातिमा, अंतराष्ट्रीय रेफरी देवसागर साहू, शैलेश सिंह सोमवंशी, अंकित वर्मा, विकास नामदेव, आदित्या पाल सहित अभिभावकों एवं खेलप्रेमियों ने शुभकामनाएं दी है।

केकेआर की ऐतिहासिक टाटा आईपीएल 2024 ट्रॉफी टूर पहुंची कूचबिहार

एजेंसी

कूचबिहार। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ऐतिहासिक ट्रॉफी टूर, अपनी तीसरी टाटा आईपीएल चैंपियनशिप का जश्न मनाने के सफर में, कूचबिहार पहुंची। इस खास मौके पर शहर के क्रिकेट प्रेमियों ने जोरदार उत्साह के साथ इस उपलब्धि का स्वागत किया।

ट्रॉफी टूर की शुरुआत भव्य राजबाड़ी पैलेस से हुई, जहां ऐतिहासिक और शाही विरासत के बीच चमचमाती आईपीएल ट्रॉफी की झलक ने सबका ध्यान आकर्षित किया। इसके बाद ट्रॉफी को शहर के प्रतिष्ठित मदन मोहन मंदिर ले जाया गया, जहां क्रिकेट के जुनून और शहर की सांस्कृतिक विरासत का संगम देखने को मिला। इस यादगार यात्रा का समापन कूचबिहार स्टेडियम में हुआ, जहां भारी संख्या में मौजूद उत्साही प्रशंसकों ने केकेआर की 2024 की जीत का जश्न मनाया और ट्रॉफी के साथ खास पल साझा किए।

आगामी सीजन को लेकर उत्साह चरम पर है, और केकेआर की यह ऐतिहासिक ट्रॉफी टूर इसी तरह

पूरे क्षेत्र में प्रशंसकों से जुड़ती रहेगी। कूचबिहार के सफल दौरे के बाद अब यह ट्रॉफी टूर 07 मार्च को पटना पहुंचेगा। कोलकाता नाइट राइडर्स 22 मार्च को ईडन गार्डन्स में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ टाटा आईपीएल 2025 का अपना अभियान शुरू करेंगे।

खेल मंत्री मांडविया करेंगे ओलंपिक तैयारी और खेल प्रशासन पर 'चिंतन शिविर' की अध्यक्षता

एजेंसी

हैदराबाद। 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक की तैयारियों और 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया 7-8 मार्च को हैदराबाद में एक उच्च स्तरीय चिंतन शिविर की अध्यक्षता करेंगे।

यह दो दिवसीय विचार-विमर्श सत्र कान्हा शांतिवनम में आयोजित किया जाएगा, जहां विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खेल मंत्री, वरिष्ठ खेल प्रशासक, प्रमुख सरकारी अधिकारी और खेल विशेषज्ञ एक मंच पर आकर भारत को वैश्विक खेल शक्ति बनाने की रणनीति तैयार करेंगे। इस दौरान खेल प्रशासन को सशक्त बनाने, जमीनी स्तर पर प्रतिभा की पहचान, खेल अवसंरचना के विकास, समावेशिता बढ़ाने और सहयोगी प्रयासों को गति देने पर विचार-विमर्श होगा।

डॉ. मांडविया, इस चिंतन शिविर

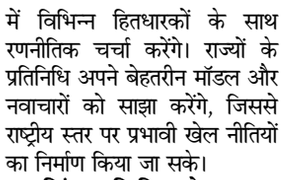

में विभिन्न हितधारकों के साथ रणनीतिक चर्चा करेंगे। राज्यों के प्रतिनिधि अपने बेहतरीन मॉडल और नवाचारों को साझा करेंगे, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी खेल नीतियों का निर्माण किया जा सके।

चिंतन शिविर के प्रमुख फोकस क्षेत्र-

- केंद्र सरकार की विभिन्न खेल योजनाओं का अवलोकन और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ समन्वय।
- खेल विकास एवं अवसंरचना में कॉर्पोरेट भागीदारी।
- जमीनी स्तर की प्रतिभाओं की खोज और पोषण।
- खेल प्रशासन में सुशासन को बढ़ावा।
- खेलो इंडिया और फिट इंडिया अभियानों का विस्तार।
- खेलों में समावेशिता को प्रोत्साहन।
- खिलाड़ियों और कोचों के कल्याण पर विचार।

खेल मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में डॉ मांडविया ने कहा, हाल ही में संपन्न उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में भारतीय एथलीटों की सफलता हमारी अपार क्षमता को दर्शाती है। हमारा लक्ष्य ओलंपिक में उत्कृष्टता प्राप्त करना और भारत को खेलों की महाशक्ति बनाना है। यदि हम विचारों और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को साझा करें, तो हम एक संगठित और सतत खेल ढांचा सुनिश्चित कर सकते हैं। ओलंपिक की मेजबानी करना एक राष्ट्रीय मिशन है और हमें एकजुट होकर इस दिशा में आगे बढ़ना होगा।

खेल मंत्री ने राज्यों से आग्रह किया है कि वे अपने बेहतरीन खिलाड़ियों की पहचान करें, जिन्हें कोचिंग की भूमिका में लाया जा सके। इससे खेल व्यवस्था की खामियों को दूर किया जा सकेगा और प्रतिभा विकास की प्रक्रिया को मजबूत किया जा सकेगा। यह चिंतन शिविर भारतीय खेल जगत में बदलाव लाने के लिए उत्प्रेरक का कार्य करेगा और वैश्विक स्तर पर दीर्घकालिक सफलता की नींव रखेगा।

औली में नेशनल स्की चैम्पियनशिप 16 से 19 तक

एजेंसी

गोपेश्वर। विश्व विख्यात हिम क्रीड़ा केन्द्र औली मे नेशनल स्की चैम्पियनशिप का आयोजन 16से 19 मार्च तक होगा, जिसकी हर स्तर पर तैयारियां शुरू की जा चुकी है।

स्की एंड माउंटनियरिंग एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के अध्यक्ष अजय भट्ट के अनुसार 16 मार्च को राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न स्की प्रतियोगिताओं का विधिवत शुभारंभ होगा, 17 व 18 मार्च को सलालम व जेंट सलालम रेस और स्नो बोर्ड प्रतियोगिताएं आयोजित होंगीं। इन प्रतियोगिताओं मे देशभर के अनेक राज्यों की टीमें प्रतिभाग करेंगी। 19मार्च को नेशनल चैम्पियनशिप का समापन होगा।

रग्बी इंडिया ने किया रग्बी प्रीमियर लीग लोगो का अनावरण

एजेंसी

मुंबई। भारतीय रग्बी फुटबॉल संघ (रग्बी इंडिया) और जीएमआर स्पोर्ट्स ने पहले रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) के आधिकारिक लोगो का अनावरण किया।

भारत में रग्बी के नए युग की शुरुआत हो गई है। फ्रैंचाइजी-आधारित रग्बी 7एस लीग का शुभारंभ 2025 में होगा। इस लीग में छह शहर-आधारित टीमें भाग लेंगी। लीग में भारत के सर्वश्रेष्ठ और शीर्ष रग्बी खेलने वाले देशों के प्रमुख खिलाड़ी शामिल होंगे।

इस अवसर पर भारतीय रग्बी फुटबॉल संघ के अध्यक्ष राहुल बोस ने लोगो के बारे में अपने विचार साझा करते हुए कहा, रग्बी 7एस अविश्वसनीय गति, शानदार कौशल और अद्भुत शक्ति का खेल है। रग्बी प्रीमियर लीग इसे भारत में एक नए अंदाज में प्रस्तुत करेगी। यह लोगो लीग की ऊर्जा, गतिशीलता और उच्च-ऑक्टेन एक्शन को दर्शाता है। जीएमआर स्पोर्ट्स के अनुभव और सभी हितधारकों के समर्थन के साथ, हम

भारतीय रग्बी को अगले स्तर तक ले जाने के लिए तैयार हैं।

जीएमआर स्पोर्ट्स के मुख्य विपणन अधिकारी (सीएमओ) सुजॉय गांगुली ने कहा, रग्बी प्रीमियर लीग के लोगो का अनावरण भारतीय रग्बी के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। इंटरब्रांड इंडिया के सहयोग से तैयार किया गया यह लोगो उस गति, कौशल और शक्ति का प्रतीक है जो इस खेल को परिभाषित करता है। आरपीएल की यह आधुनिक, अंतरराष्ट्रीय और प्रेरणादायक दृष्टि भारत को एक मजबूत रग्बी खेलने वाले देश के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक साहसिक कदम है।

दक्षिण अफ्रीका को 50 रनों से हराकर न्यूजीलैंड चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में

एजेंसी

लाहौर। रचिन रविंद्र (108), केन विलियमसन (102) की शानदार शतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 50 रनों से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। रविवार को फाइनल में न्यूजीलैंड का मुकाबला भारत के साथ होगा। 363 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 20 रन के स्कोर पर अपने रायन रिकलटन (17) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रासी वान दर दुसें ने कप्तान तेम्बा बवूमा के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 105 रनों की साझेदारी हुई। 23वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने तेम्बा बवूमा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। तेम्बा बवूमा ने 71 गेंदों में 56 रनों की पारी खेली। 27वें ओवर में सैंटनर ने रासी वान दर दुसें को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका को तीसरा झटका दिया। रासी वान दर दुसें ने 66 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए (69) रनों की पारी खेली। इसके बाद न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज संघर्ष करते दिखे और अपने विकेट गवांते रहे। हाइनरिक क्लासन (तीन), एडन मारक्रम (31), वियान मुल्डर (आठ), मार्को यानसन (तीन), केशव महाराज (एक) और कगिसो रबाडा (16) रन बनाकर आउट हुये। डेविड मिलर अंत तक डटे रहे और आखिरी ओवरों में आतिशी बल्लेबाजी का प्रदर्शन कर मैच में रोमांच भरने का प्रयास करते देखे गये। मिलर ने मैच की आखिरी गेंद पर अपना शतक पूरा किया। मिलर ने 67 गेंदों में 10 चौके और चार छक्के लगाते हुए (नाबाद 100)रनों की पारी खेली। दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 312 रन ही बना सकी और 50 रनों से मुकाबला हार गई।

न्यूजीलैंड की ओर मिचेल सैंटनर ने तीन विकेट लिये। मैट हेनरी, ग्लेन फिलिप्स (दो-दो), माइकल ब्रेसवेल और रचिन रविंद्र ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए विल यंग और रचिन रविंद्र की सलामी जोड़ी संभल कर खेलते हुए पहले विकेट के लिए 48 रन जोड़े। आठवें ओवर में लुंगी एन्गिडी ने विल यंग (21) को आउटकर दक्षिण अफ्रीका को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये केन विलियमसन ने रचिन रविंद्र के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 164 रनों की साझेदारी हुई। रचिन ने 32वें ओवर की पहली गेंद पर दो रन लेकर अपना पांचवां एकदिवसीय शतक बनाया। 33वें ओवर में कगिसो रबाडा ने रचिन रविंद्र को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। रचिन रविंद्र ने 101 गेंदों में 13 चौके और एक छक्का लगाते हुए (108) रनों की पारी खेली। इसके बाद केन विलियमसन ने 40वें ओवर की पहली गेंद पर चौका लगाकर अपना 15वां एकदिवसीय शतक पूरा किया। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर वियान मुल्डर ने उन्हें अपना शिकार बना लिया। केन विलियमसन ने 94 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए (102) रन बनाये। टॉम लेथम (चार) रन बनाकर आउट हुये। 47वें ओवर में लुंगी एन्गिडी ने डैरिल मिचेल (49) को आउट किया।

दूरसंचार में नवाचार व विनियमन के लिए बहु-चरणीय दृष्टिकोण अपना रहा भारत : सिंधिया

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि भारत दूरसंचार में नवाचार और विनियमन के लिए बहु-चरणीय दृष्टिकोण अपना रहा है। नवाचार, समावेशिता, स्थिरता और विश्वास तकनीकी शासन के प्रति भारत के मार्गदर्शक सिद्धांतों के मूल हैं। संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि स्पेन के बार्सिलोना में आयोजित मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस (एमडब्ल्यूसी) 2025 में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दूरसंचार के क्षेत्र में भारत में आ रहे परिवर्तन को दर्शाया। उन्?होंने कहा कि नवाचार, समावेशिता, स्थिरता और विश्वास तकनीकी शासन के प्रति भारत के मार्गदर्शक सिद्धांतों के मूल में हैं। स्पेक्ट्रम प्रबंधन, बाजार की स्थिरता, दूरसंचार विनियमन और उपभोक्ता संरक्षण सुनिश्चित करना विनियमन के साथ नवाचार को संतुलित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 25 में भागीदारी भारत की दूरसंचार क्रांति की वैश्विक स्थिति को रेखांकित करती है और तकनीकी शासन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। संचार मंत्री ने एमडब्ल्यूसी 2025 के दौरान इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 का शुभारंभ किया और भारत सरकार के दूरसंचार विभाग के सहयोग से दूरसंचार उपकरण एवं सेवा निर्यात संवर्धन परिषद (टीईपीसी) द्वारा लगाए गए भारत पैवेलियन का उद्घाटन किया, जिसमें 38 भारतीय दूरसंचार उपकरण निर्माताओं ने भाग लिया है और अपने अत्याधुनिक उत्पादों, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों का प्रदर्शन किया है।

कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 32.53 फीसदी बढ़कर 167.36 मिलियन टन हुआ

नई दिल्ली। देश में कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में कुल कोयला उत्पादन फरवरी तक 167.36 मिलियन टन (एमटी) तक पहुंच गया है। यह 28 फरवरी, 2024 तक सालाना आधार पर उत्पादित 126.28 मिलियन टन कोयला की तुलना में 32.53 फीसदी की वृद्धि है। कोयला मंत्रालय के मुताबिक ने जारी एक बयान में बताया कि कोयला डिस्पैच में तेज वृद्धि देखी गई है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर 170.66 मिलियन टन हो गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 128.45 मिलियन टन था, जो सालाना आधार पर 32.86 फीसदी की वृद्धि को दिखाता है। इससे बिजली, स्टील और सीमेंट जैसे प्रमुख क्षेत्रों को स्थिर और निर्बाध कोयला की आपूर्ति सुनिश्चित होती है। मंत्रालय ने कहा कि मेसर्स प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड की भास्करपारा कोयला खदान ने 15 फरवरी, 2025 को 15 मिलियन टन की अधिकतम रेटेड क्षमता (पीआरसी) के साथ कोयला का उत्पादन शुरू किया है। कोयला मंत्रालय के मुताबिक खनन क्षेत्र में अधिक निवेश और बेहतर प्रौद्योगिकी को आकर्षित करने के लिए आर्थिक सुधार प्रक्रिया के एक भाग के रूप में कमर्शियल खदानों की शुरुआत की गई थी।

अगली पीढी के भारतीयों की पहली पसंद लक्जरी कार

मुंबई। देश के धनवान उच्च वर्ग में अगली पीढ़ी (नेक्स्ट जेन) की पहली पसंद लक्जरी कार और दूसरी लक्जरी घर है। इसका खुलासा प्रॉपर्टी क्षेत्र की सलाह सेवा प्रदाता कंपनी नाइट फ्रैंक की वेल्थ रिपोर्ट 2025 में हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत के नेक्स्ट जेन उच्च निवल संपत्ति वाले व्यक्तियों (एचएनडब्ल्यूआई) में 46.5 प्रतिशत लोगों ने लक्जरी कार के मालिक होने की इच्छा व्यक्त की है। हाई-एंड रियल एस्टेट दूसरी सबसे पसंदीदा लक्जरी संपत्ति के रूप में उभरी, जिसमें 25.7 प्रतिशत लोगों ने इसकी आकांक्षा जताई। नाइट फ्रैंक इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा, भारत की बढ़ती अल्ट्रा हाई नेटवर्थ आबादी के कारण लक्जरी ब्रांडों के लिए देश में बड़े अवसर खुल रहे हैं। सुपरयॉट जैसे क्षेत्रों में भी अपार संभावनाएं हैं, जिनका बाजार अब तक सीमित रहा है। नाइट फ्रैंक के लक्जरी इन्वेस्टमेंट इंडेक्स के अनुसार, हैंडबैग्स 2024 में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली लक्जरी संपत्ति रहे, जिनकी कीमतों में 2.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, समग्र लक्जरी इन्वेस्टमेंट इंडेक्स में 3.3 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जिससे निवेशकों को एक बदलते बाजार परिदृश्य का सामना करना पड़ा।

महिला उद्यमी मजबूत वित्तीय अनुशासन का करती हैं प्रदर्शन

मुंबई । महिला उद्यमी मजबूत वित्तीय अनुशासन का प्रदर्शन करती हैं और अधिकांश महिलायें स्वतंत्र रूप से व्यवसाय का संचालन करती है। आज जारी नियोग्रोथ के नवीनतम नियोइनसाइट्स अध्ययन से पता चला है कि महिला व्यवसाय मालिकों का प्रभाव व्यवसाय की सफलता से कहीं आगे तक फैला हुआ है क्योंकि उनके उद्यमों ने व्यक्तिगत सशक्तिकरण, परिवारों के लिए वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा दिया है और समुदाय में अन्य लोगों के लिए प्रेरणा का काम किया है। 3,000 से अधिक महिला व्यवसाय मालिकों के बीच यह सर्वेक्षण किया गया। 'भारत में महिला व्यवसाय स्वामियों की उद्यमशीलता की भावना' विषय पर किये गये इस सर्वेक्षण ने इस तरह की उद्यमशीलता की यात्राओं में अंतर्दृष्टि प्रदान की, और उनकी प्रेरणाओं, चुनौतियों और महत्वाकांक्षाओं की जांच की - जबकि कई स्तरों पर उनके द्वारा छोड़े गए प्रभाव पर जोर दिया गया।

मेघालय के सीएम कॉनराड ने 1,970 करोड़ रुपये का बजट पेश किया, घाटा 3.5 प्रतिशत की सीमा से नीचे

एजेंसी

शिलांग। मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने मेघालय विधानसभा में चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1,970 करोड़ रुपये के घाटे का बजट पेश किया, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का करीब 2.96 प्रतिशत है। ऋण को छोड़कर कुल प्राप्तियां 25,627 करोड़ रुपये हैं और ऋण चुकौती को छोड़कर अनुमानित कुल व्यय 27,597 करोड़ रुपये है। परिणामस्वरूप, उन्होंने 1,970 करोड़ रुपये का राजस्व घाटा दिखाया। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करते हुए वित्त विभाग का प्रभार संभाल रहे मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने कहा, मुझे यह जानकर खुशी हुई कि राजस्व घाटा 3.5 प्रतिशत की स्वीकार्य सीमा से नीचे रखा गया है। मुख्यमंत्री ने बजट अनुमान को दो श्रेणियों में वर्गीकृत करते हुए कहा, जलवायु क्षेत्र के लिए 5,421 करोड़ रुपये, युवा क्षेत्र के लिए 3,329 करोड़ रुपये और लिंग क्षेत्र के लिए 6,219 करोड़ रुपये। उन्होंने कहा, इन श्रेणियों में पिछले बजट आवंटन की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

संगमा ने सदन को बताया, ''चालू वित्त वर्ष 2025-26 में केंद्र से मेघालय को कुल अनुमानित हस्तांतरण बढ़कर 20,568 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है, जो चालू वर्ष के लिए संशोधित अनुमान 19,242 करोड़ रुपये से अधिक है।'' उन्होंने कहा, ''यह वृद्धि मुख्य रूप से भारत के मजबूत आर्थिक प्रदर्शन से प्रेरित है।'' उल्लेखनीय है कि केंद्रीय कर का हिस्सा 2025-26 में 10.5 प्रतिशत बढ़कर 10,910 करोड़ रुपये होने की संभावना है, जो इस वर्ष 9,870 करोड़ रुपये है।

वित्त मंत्री और मुख्यमंत्री ने कहा, इसके अलावा, राज्य सरकार कर और गैर-कर राजस्व में सुधार के लिए प्रयास कर रही है। राज्य का अपना कर राजस्व उल्लेखनीय रूप से बढ़कर चालू वर्ष में 4,041 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। संगमा ने कहा, मेरा अनुमान है कि राज्य का अपना कर राजस्व 2025-26 में 4,226 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। इसमें जीएसटी के रूप में 2,094 करोड़ रुपये, बिक्री एवं व्यापार कर के रूप में 1,180 करोड़ रुपये तथा उत्पाद शुल्क के रूप में 682 करोड़ रुपये शामिल हैं।

उन्होंने कहा, सरकार 2028 तक मेघालय को 10 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। राज्य की अर्थव्यवस्था अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की राह पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2023 से 2026 की अवधि के लिए वार्षिक विकास दर 12.7 प्रतिशत है और राज्य को 2028 तक अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का भरोसा है।

दस दिनों की कमजोरी के बाद शेयर बाजार में लौटी मजबूती, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले 10 कारोबारी दिन से लगातार दबाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार ने आज शानदार अंदाज में बाउंस बैक किया। आज की तेजी के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक 1 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए। इसी तरह मिडकैप और स्मॉल कैप इंडेक्स में भी आज लगातार तेजी बनी रही, जिसके कारण निवेशकों को एक दिन में ही करीब 8 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज शेयर बाजार ने सपाट स्तर पर मिले-जुले कारोबार की शुरुआत की थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव भी बना, लेकिन थोड़ी ही देर बाद तेजड़िये बाजार पर हावी हो गए, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल में भी तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.01 प्रतिशत और निफ्टी 1.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान बीएसई और एनएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। मेटल, ऑयल एंड गैस, आईटी और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में आज लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, पीएसयू, ऑटोमोबाइल, टेक, हेल्थ केयर, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल और कैपिटल गुड्स इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.80 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

वित्त आयोग ने ग्रामीण एवं नगरीय निकायों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

एजेंसी

भोपाल। सोलहवें केंद्रीय वित्त आयोग का प्रतिनिधिमंडल इन दिनों मध्य प्रदेश के प्रवास पर है। अपने प्रवास के दूसरे दिन वित्त आयोग ने प्रदेश के ग्रामीण, स्थानीय निकाय, नगरीय स्थानीय निकाय और राजनीतिक दलों के विभिन्न प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरविंद पनगड़िया और सदस्यों ने सभी से चर्चा की। ग्रामीण स्थानीय निकायों, नगरीय निकायों के जन-प्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने आयोग के समक्ष अपने विचार और सुझाव भी रखे।

बैठक में प्रदेश की नगरीय निकायों के प्रतिनिधि के रूप में चार नगर निगम के महापौर, इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सतना के महापौर योगेश ताम्रकार, खंडवा की महापौर अमृता यादव तथा भोपाल की महापौर मालती राय एवं 11 अन्य नगर पालिका तथा नगर परिषद के अध्यक्ष बैठक में उपस्थित हुए। प्रदेश के नगरीय निकायों को दिए जा रहे अनुदान में चुकी मध्य प्रदेश में देश की सबसे अधिक जनजातीय जनसंख्या निवास करती है, इसलिए उसे संज्ञान में रखकर अनुदान जारी करना और शहरीकरण में जनता को सेवा प्रदाय में तकनीकी उपयोग किए जाने को प्रेरित करने हेतु पृथक से अनुदान जारी किए जाने का अनुरोध

किया गया।बैठक के बाद सोलहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया एवं अन्य पदाधिकारियों ने बुधवार देर शाम मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों का आत्मीयता से स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से आयोग के अध्यक्ष डॉ. पनगढ़िया, सदस्य अजय नारायण झा, एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पांडा, डॉ. सौम्या कांति घोष, सचिव ऋत्विक पांडे और संयुक्त सचिव के.के. मिश्रा ने भेंट कर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों को अंगवस्त्रम् ओढ़ाकर सम्मान करते हुए स्मृति चिन्ह भेंट किए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री द्वय जगदीश देवड़ा एवं राजेन्द्र शुक्ल, राज्य मंत्रिपरिषद के अन्य सदस्य, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 550 रुपये से लेकर 600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 87,990 रुपये से लेकर 88,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 80,660 रुपये से लेकर 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज तेजी आई है, जिसके कारण आज दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 97,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 88,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 88,040 रुपये प्रति

10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 87,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 88,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 88,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है।

भारत को क्वांटम कंप्यूटिंग क्षमता का उपयोग करने के लिए बहु-आयामी दृष्टिकोण की जरूरत: नीति आयोग शोध पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग ने फ्रंटियर टेक हब बनाने की घोषणा करने के साथ 'क्वांटम कंप्यूटिंग-राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रभाव और रणनीतिक तैयारी' पर एक पेपर जारी किया है। नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम ने नई दिल्ली में यह शोध पत्र जारी किया। इसमें यह कहा गया है कि क्वांटम कंप्यूटिंग द्वारा उत्पन्न अवसरों और खतरों से निपटने के लिए एक रणनीतिक ढांचा जरूरी है। इस शोध पत्र में कहा गया है कि क्वांटम कंप्यूटिंग के समय में राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत को बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है।

नीति फ्रंटियर टेक हब (नीति-एफटीएच) ने 'डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया' के साथ साझेदारी में शोध पत्र जारी किया है। इसमें क्वांटम कंप्यूटिंग के तेजी से विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा पर इसके

प्रभाव आदि का उल्लेख किया गया है। साथ ही उभरती प्रौद्योगिकियों को तेजी से अपनाने के लिए द्विपक्षीय भागीदारी भी करनी होगी।

आयोग ने कहा है कि 'नीति फ्रंटियर टेक हब' 2047 तक भारत के विकास की दिशा में देश के लक्ष्य को आकार देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस शोध पत्र में कहा गया है कि क्वांटम कंप्यूटिंग तेजी से विकसित हो रही है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अवसर और चुनौतियां दोनों पेश कर रही है। ये वैश्विक क्वांटम दौड़, नवीनतम तकनीकी सफलताओं और राष्ट्रीय सुरक्षा पर संभावित प्रभाव का पता लगाता है। यह भारत की तैयारियों को बढ़ाने के लिए सिफारिशें भी प्रदान करता है। सरकार ने स्वदेशी क्वांटम प्रौद्योगिकी परिवेश विकसित करने के लिए 6,003 करोड़ रुपये के बजट के साथ अप्रैल 2023 में राष्ट्रीय क्वांटम मिशन की शुरुआत किया था। अमेरिका ने अबतक पांच अरब डॉलर का निवेश किया है, जबकि चीन 15 अरब डॉलर के निवेश के साथ सबसे आगे हैं। यूरोप ने 1.2 अरब डॉलर और भारत 75 करोड़ डॉलर का निवेश किया है। इस तरह कुल मिलाकर 30 से अधिक सरकारों ने क्वांटम प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के लिए 40 अरब डॉलर से अधिक के निवेश का संकल्प जताया है।

आरबीआई ने बैंकिंग सिस्टम में 1.9 लाख करोड़ रुपये की नकदी बढ़ाने का किया ऐलान

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बड़ा ऐलान किया है। आरबीआई ने कहा कि बैंकिंग सिस्टम में लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए वह इस माह के दौरान खुले बाजार में सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद करेगा और लगभग 1.9 लाख करोड़ रुपये मूल्य के अमेरिकी अमेरिकी डॉलर/रुपये की अदला-बदली करेगा।

आरबीआई ने जारी बयान में कहा कि वर्तमान और उभरती हुई नकदी स्थितियों की समीक्षा के बाद इस महीने के दौरान दो प्रमुख उपाय किए जाएंगे। केंद्रीय बैंक 12 और 18 मार्च को 50,000 करोड़ रुपये की दो किस्तों में कुल 1,00,000 करोड़ रुपये की राशि के लिए भारत सरकार की प्रतिभूतियों की ओएमओ (खुले बाजार संचालन) खरीद नीलामी आयोजित करेगा। आरबीआई उभरती हुई नकदी और बाजार स्थितियों की निगरानी करना जारी रखेगा। इसके अलावा केंद्रीय बैंक व्यवस्थित नकदी स्थितियों को

सुनिश्चित करने के लिए उचित उपाय भी करेगा। इससे पहले 28 फरवरी को रिजर्व बैंक ने बैंकिंग प्रणाली में दीर्घकालिक नकदी डालने के लिए 10 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के यूएस डॉलर-रुपये की अदला-बदली की, जिसकी नीलामी में मजबूत मांग देखी गई।

डॉ. मांडविया हैदराबाद में तेलंगाना और बंजारा हिल्स के क्षेत्रीय कार्यालय परिसर का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया तेलंगाना के हैदराबाद में क्षेत्रीय कार्यालय और बंजारा हिल्स के कार्यालय परिसर का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा मांडविया गुजरात के नरोदा में क्षेत्रीय कार्यालय का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे तथा हरियाणा के गुरुग्राम में स्टाफ क्वार्टरों की आधारशिला रखेंगे।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि ये पहल देशभर में श्रमिकों और हितधारकों को बेहतर सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से बुनियादी ढांचे और परिचालन क्षमता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो श्रम कल्याण और प्रशासनिक दक्षता को मजबूत करने को मंत्रालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस अवसर पर केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, मंत्रालय के वरिष्ठ

अधिकारी, राज्य सरकार के प्रतिनिधि तथा अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहेंगे। आंचलिक कार्यालय तेलंगाना और क्षेत्रीय कार्यालय, बंजारा हिल्स के कार्यालय परिसर का उद्घाटन-बंजारा हिल्स में अत्याधुनिक कार्यालय परिसर में क्षेत्रीय कार्यालय तेलंगाना और क्षेत्रीय कार्यालय होंगे, जो इस क्षेत्र में मंत्रालय की उपस्थिति को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुविधा श्रम-संबंधी पहलों के लिए समन्वय और सेवा वितरण को बढ़ाएगी, जिससे तेलंगाना में कर्मचारियों, नियोक्ताओं और अन्य हितधारकों के लिए बेहतर पहुंच सुनिश्चित होगी। क्षेत्रीय कार्यालय, नरोदा, गुजरात का उद्घाटन (वर्चुअल मोड)-नरोदा में क्षेत्रीय कार्यालय का वर्चुअल उद्घाटन किया जाएगा, जिससे गुजरात में मंत्रालय की पहुंच बढ़ेगी।

इस सुविधा का उद्देश्य श्रम प्रशासन को सुव्यवस्थित करना, श्रम कानूनों के अनुपालन में सहायता करना और क्षेत्र में श्रमिकों और उद्योगों को स्थानीय सहायता प्रदान करना है।

स्टाफ क्वार्टर, गुरुग्राम का शिलान्यास समारोह (वर्चुअल मोड)-हरियाणा के गुरुग्राम में स्टाफ क्वार्टर की आधारशिला वर्चुअली रखी जाएगी, जो कर्मचारियों के लिए आधुनिक आवासीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई परियोजना की शुरुआत होगी।

कच्चे तेल की कीमत में गिरावट जारी, 6 महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा क्रूड

एजेंसी

नई दिल्ली।कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमत में गिरावट का सिलसिला लगातार जारी है। आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा गिरकर छह महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड फिलहाल 70 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे गिर कर 69.47 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 67 डॉलर के स्तर से नीचे फिसल कर 66.46 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दरअसल, ओपेक और इसके सहयोगी देश द्वारा क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) के उत्पादन में बढ़ोतरी करने का संकेत दिए जाने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमत पर लगातार दबाव बना हुआ है। आपको बता दें कि कच्चे तेल का उत्पादन करने वाले कुछ देशों के विरोध के बावजूद ओपेक और इसके सहयोगी देशों के बीच क्रूड ऑयल का उत्पादन बढ़ाने की बात को लेकर आमतौर पर सहमति बन गई है। इन

देशों द्वारा अप्रैल के महीने से क्रूड ऑयल के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। अभी तक मिली जानकारी के अनुसार रूस और सऊदी अरब क्रूड ऑयल के उत्पादन में प्रतिदिन 1.38 लाख बैरल की बढ़ोतरी कर सकते हैं। इसके अलावा वेनेजुएला ने भी कच्चे तेल के उत्पादन में प्रतिदिन 68 हजार बैरल की बढ़ोतरी करने की बात कही है। इसी तरह ओपेक के दूसरे सदस्य देशों द्वारा भी कच्चे तेल के उत्पादन में बढ़ोतरी किए जाने का अनुमान है।

मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि ओपेक और इसके सहयोगी देशों द्वारा उत्पादन में बढ़ोतरी करने पर कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) के दाम में और भी गिरावट आ सकती है। माना जा रहा है कि वेनेजुएला, सऊदी अरब और रूस समेत दूसरे सभी तेल उत्पादक देशों द्वारा कुल मिला कर अगर प्रतिदिन 2.25 लाख बैरल क्रूड ऑयल का भी अतिरिक्त उत्पादन किया जाता है, तो इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमत 55 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक भी जा सकती है। ऐसा होने पर अपनी जरूरत के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार निर्भर रहने वाले भारत जैसे देशों को काफी राहत मिलेगी।

टीसीएस ने यूरोप की वैंटेज टावर्स से की साझेदारी

कोलकाता। सूचना-प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने यूरोप के दूसरे सबसे बड़े दूरसंचार टावर ऑपरेटर वैंटेज टावर्स के साथ साझेदारी की है।टीसीएस ने बयान जारी कर बताया कि यह साझेदारी 86,000 साइटों के नेटवर्क को कवर करते हुए एक डिजिटल सेवा प्लेटफॉर्म लॉन्च करने के लिए की गई है, जिसका उद्देश्य टेलीकॉम टावर इंस्टॉलेशन के लिए भूमि पट्टे पर लेने वाले संपत्ति मालिकों के अनुभव को बदलना है।

इस पहल का लक्ष्य संपत्ति मालिकों के लिए सेवा प्रक्रियाओं को आसान बनाना, प्रतिधारण दर बढ़ाना और पूरे यूरोप में वैंटेज टावर्स के साथ टेलीकॉम साइट साझेदारी को मजबूत करना है।

इस सहयोग के तहत टीसीएस टेलीकॉम के लिए अपनी प्रमुख डिजिटल समाधान पेशकश टीसीएस क्रिस्टलस को भी तैनात करेगा, जिससे डिजिटल परिवर्तन को गति मिलेगी। इस कार्यक्रम के तहत यूरोप के आठ बाजारों में संपत्ति मालिकों को अपने पसंदीदा चैनलों के माध्यम से चौबीस घंटे सात दिन ग्राहक सहायता मिलेगी। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से मकान मालिकों को सशक्त बनाया जाएगा और वैंटेज टावर एजेंटों एवं अन्य हितधारकों को महत्वपूर्ण जानकारी तक आसान पहुंच प्राप्त होगी।

सीसीआई की ओरिएंट सीमेंट की 72.8 फीसदी सहित 7 अधिग्रहण प्रस्तावों को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड के ओरिएंट सीमेंट लिमिटेड में 72.8 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करने सहित कुल सात अधिग्रहण प्रस्तावों को अपनी मंजूरी दी है। प्रतिस्पर्धा नियामक संस्था सीसीआई ने जारी एक बयान में बताया कि कुल सात अधिग्रहण के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। सीसीआई ने जिन 7 कंपनियों के अधिग्रहण प्रस्तावों को मंजूरी दी है, उनमें अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड के द्वारा ओरिएंट सीमेंट लिमिटेड की 72.8 फीसदी तक की हिस्सेदारी का अधिग्रहण और पीएसपी प्रोजेक्ट्स के इक्विटी शेयरों का अधिग्रहण शामिल है। सीसीआई ने अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड द्वारा ओरिएंट सीमेंट लिमिटेड की 72.8 फीसदी तक की हिस्सेदारी के प्रस्तावित अधिग्रहण को मंजूरी दी है। आयोग ने सीके बिड़ला समूह की कंपनी ओरिएंट सीमेंट लिमिटेड में बहुलांश हिस्सेदारी का 8,100 करोड़ रुपये में

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग
Competition Commission of India

अधिग्रहण करने के अंबुजा सीमेंट्स के प्रस्ताव को मंजूरी दी। अडाणी समूह की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स देशभर में 22 एकीकृत सीमेंट संयंत्रों के साथ 10 बल्क सीमेंट टर्मिनल और 21 ग्राइंडिंग इकाइयों का संचालन करती है।

-सीसीआई ने टीपीजी स्कोन एसजी प्राइवेट लिमटेड के द्वारा शोट पूनावाला प्राइवेट लिमिटेड की कुछ शेयरधारिता के प्रस्तावित अधिग्रहण को अपनी मंजूरी दी है। प्रस्तावित संयोजन में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से द्वितीयक खरीद के जरिए (प्रस्तावित संयोजन) एसपीपीएल में कुछ शेयरधारिता का टीपीजी स्कोन एसजी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अधिग्रहण शामिल है।

-भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने अडाणी इंफ्रा (इंडिया) लिमिटेड के द्वारा पीएसपी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के शेयरों के अधिग्रहण को मंजूरी प्रदान की है। प्रस्तावित समझौते में अडानी इंफ्रा (इंडिया) लिमिटेड (अधिग्रहणकर्ता) द्वारा पीएसपी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (लक्ष्य) के इक्विटी शेयरों का अधिग्रहण शामिल है। सीसीआई ने शेल ड्यूशलैंड जीएमबीएच और शेल ओवरसीज इन्वेस्टमेंट्स बीवी के द्वारा राज पेट्रो स्पेशियलिटीज प्राइवेट लिमिटेड की 100 फीसदी पूंजीगत हिस्सेदारी के प्रस्तावित अधिग्रहण को मंजूरी दी है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने अल्फा वेव वेंचर्स II, एलपी द्वारा एडवांटा एंटरप्राइजेज लिमिटेड में 12.44 फीसदी शेयरधारिता के अधिग्रहण को मंजूरी दी है। -सीसीआई ने रोक्वेट फ्रेरेस एसए (रोक्वेट) द्वारा इंटरनेशनल फ्लेवर्स एंड फ्रेग्रेन्स इंक (आईएफएफ) के फार्मा सॉल्यूशन सेगमेंट और नॉरिश सेगमेंट के उत्पाद लाइनों के अधिग्रहण से जुड़े प्रस्तावित संयोजन को भी मंजूरी दी है।-इसके अलावा सीसीआई ने जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड द्वारा केएसके महानदी पावर कंपनी लिमिटेड में 100 फीसदी शेयरधारिता के प्रस्तावित अधिग्रहण को भी मंजूरी दे दी है।

अमेरिका टैरिफ के लिए यूरोपीय संघ ने जवाब तैयार किया - मैक्रोन

मॉस्को। यूरोपीय संघ अमेरिकी टैरिफ के लिए जवाब तैयार कर रहा है, लेकिन अभी भी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को यह कदम उठाने से रोकने की कोशिश कर रहा है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन ने यह बात कही। श्री मैक्रोन ने बी.एफ.एम.टी.वी. द्वारा प्रसारित भाषण में कहा, 'हमें तैयार रहना चाहिए अगर अमेरिका यूरोपीय वस्तुओं पर टैरिफ लगाता है, जैसा कि उसने अभी कनाडा और मैक्सिको के साथ किया है। यह निर्णय हमारे और अमेरिकी अर्थव्यवस्था दोनों के लिए अस्पष्ट है और हमारे कुछ उद्योगों पर इसके परिणाम होंगे। हम भी इसका उत्तर दिए बिना नहीं रहेंगे। जबकि हम अपने यूरोपीय भागीदारों के साथ जवाब तैयार करते हैं, हम अमेरिकी राष्ट्रपति को मनाने के लिए हर संभव प्रयास करना जारी रखते हैं।' श्री ट्रम्प ने फरवरी में कहा कि उनका प्रशासन बहुत जल्द यूरोपीय संघ से आयात पर नए 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा करेगा, जिसमें ऑटोमोबाइल भी शामिल हैं।

तुर्की और अमेरिकी राष्ट्रपतियों के सलाहकारों ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर की चर्चा

अंकारा। तुर्की और अमेरिकी राष्ट्रपतियों के सलाहकारों ने द्विपक्षीय संबंधों और अन्य मुद्दों पर चर्चा करने के लिए टेलीफोन पर बातचीत की, तुर्की मीडिया ने यह जानकारी दी। हुर्रियत अखबार की रिपोर्ट के अनुसार विदेश नीति और सुरक्षा पर तुर्की के राष्ट्रपति के वरिष्ठ सलाहकार अकिफ कैगाटे किलिक ने अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज से बात की। रिपोर्ट में कहा गया है कि किलिक और वाल्ट्ज ने तुर्की और अमेरिका के बीच संबंधों की स्थिति के साथ-साथ प्रासंगिक वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की।

दक्षिण कोरिया के नागरिक क्षेत्र में गोले गिरने से 7 लोग घायल

सियोल। दक्षिण कोरिया के नागरिक क्षेत्र में गोले गिरने से सात लोग घायल हो गए। स्थानीय प्रसारक वाईटीएन के गुरुवार को यह जानकारी दी। राजधानी सियोल से करीब 40 किलोमीटर उत्तर में अंतर-कोरियाई सीमावर्ती शहर पोचेओन में स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10:00 बजे नागरिक घरों पर दो गोले गिरे। जिससे चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और तीन अन्य को मामूली चोटें आईं। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने पोचेओन में एक संयुक्त लाइव-फायर अभ्यास किया, जिसमें टैंक, स्व-चालित हॉवित्जर, हेलीकॉप्टर और स्टील्थ जेट जैसे 160 से अधिक सैन्य हार्डवेयर जुटाए गए।

ट्रंप ने इजरायली बंधकों की रिहाई को लेकर हमास को दी 'आखिरी चेतावनी'

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराजली बंधकों की रिहाई को लेकर आज हमास को 'आखिरी चेतावनी' दी है। श्री ट्रंप ने सोशल प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर एक पोस्ट में लिखा, मैं इजराजल को वह सब कुछ भेज रहा हूं जो उसे काम पूरा करने के लिए चाहिए, अगर मेरी बात नहीं मानेंगे तो हमास का एक भी सदस्य सुरक्षित नहीं रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने पोस्ट में लिखा, शालोम हमास का इसका अर्थ है नमस्ते और अलविदा - आप दोनों में से किसी एक को चुन सकते हैं। सभी बंधकों को अभी रिहा करें, बाद में नहीं, और जिन लोगों की आपने हत्या की है, उनके शवों को तुरंत लौटा दें, अन्यथा आपके लिए सब खत्म हो जाएगा। केवल बीमार और विकृत मानसिकता के लोग ही शवों को रखते हैं, और आप ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं इजरायल को वह सब कुछ भेज रहा हूँ जो उसे काम पूरा करने के लिए चाहिए, अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो हमास का एक भी सदस्य सुरक्षित नहीं रहेगा। मैं अभी आपके पूर्व बंधकों से मिला हूँ, जिनकी ज़िंदगी आपने बर्बाद कर दी है। यह आपको आखिरी चेतावनी है।उन्होंने नागरिकों को भी धमकाते हुए कहा, साथ ही, गाजा के लोगों के लिए कहा कि उनके लिए एक सुंदर भविष्य उनका इंतजार कर रहा है, लेकिन तब नहीं जब आप बंधकों को रखेंगे, अगर आप ऐसा करेंगे, तो आप ख़त्म हो जाएंगे। समझदारी से फैसला लें। बंधकों को अभी रिहा करें, नहीं तो बाद में आपको बहुत कुछ भुगतना पड़ेगा।

वैश्विक आतंकवाद सूचकांक-2025 में पाकिस्तान दूसरे स्थान पर

एजेंसी

इस्लामाबाद। वैश्विक आतंकवाद सूचकांक-2025 में पाकिस्तान दूसरे स्थान पर है। इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस (आईईपी) ने पिछले 17 वर्ष की घटनाओं के आधार पर रिपोर्ट जारी की है। इसमें 163 देशों को शामिल किया गया है। पाकिस्तान में यह लगातार पांचवां वर्ष है, जब आतंकवाद से संबंधित मौतों में वृद्धि दर्ज की गई है। पाकिस्तान के लिए पिछले दशक में साल-दर-साल यह सबसे बड़ी वृद्धि है।डान समाचार पत्र की खबर के अनुसार रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तान में पिछले वर्ष आतंकवादी हमलों में मरने वालों की संख्या 45 प्रतिशत बढ़कर 1,081 हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार 45 देशों की स्थिति बेहद खराब हो रही है और 34 देशों की स्थिति में कुछ सुधार हो रहा है। चार

सबसे घातक आतंकवादी समूहों ने 2024 में अपनी हिंसा तेज की। इससे मृत्यु दर में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पश्चिम में आतंकवादी समूह हावी हो गए हैं, जो पिछले पांच वर्षों में 93 प्रतिशत घातक हमलों के लिए जिम्मेदार हैं। ईरान में आतंकवाद से होने वाली मौतों में वृद्धि हुई है। आतंकवाद से सबसे ज्यादा मौतें बुर्किना फासो, पाकिस्तान और सीरिया में हुईं। बुर्किना फासो विश्व स्तर पर होने वाली कुल मौतों के साथ सूची में पांचवें स्थान पर है।

पाकिस्तान में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का खूंखार चेहरा सामने आया है। टीटीपी के हमलों से होने वाली मौतों में 90 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह संगठन 2024 में भी पाकिस्तान में 52 प्रतिशत मौतों के लिए जिम्मेदार था। पिछले साल टीटीपी ने 482 हमले किए, जिसके परिणामस्वरूप 558 मौतें हुईं, जो पिछले वर्ष की 293 मौतों से 91 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से पाकिस्तान में आतंकी घटनाओं में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।अफगानिस्तान से संचालित आतंकवादी समूहों ने बलूचिस्तान और खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत को सबसे अधिक निशाना बनाया है। पाकिस्तान सरकार ने इनसे निपटने के लिए ऑपरेशन आजम-ए-इस्तेहकम शुरू किया है।

ट्रम्प प्रशासन वेटरन्स अफेयर्स विभाग से 70 हजार से अधिक कर्मचारियों की करेगा छंटनी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन वेटरन्स अफेयर्स विभाग (वीए) में 70 हजार से अधिक कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रहा है। वीए चीफ ऑफ स्टाफ क्रिस्टोफर सिरेक ने कहा कि विभाग सरकारी दक्षता विभाग या डीओजीई के साथ साझेदारी में, पूरे विभाग में वीए को पुनर्गठित करने और कार्यबल का आकार बदलने के लिये आक्रामक तरीके से आगे बढ़ेगा।

विभाग का लक्ष्य अपने कार्यबल को 2019 के स्तर पर वापस लाना है, जो कि लगभग चार लाख कर्मचारी हैं, जिसका अर्थ है कि 70 हजार से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी के अंत में अरबपति एलन मस्क के नेतृत्व में डीओजीई अपना काम शुरू किया था। उस समय से अब तक देश भर में 30 हज़ार से ज़्यादा संघीय कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा चुका है। व्हाइट हाउस ने पहले कहा था कि लगभग 75 हजार संघीय कर्मचारियों ने बायआउट

योजना को स्वीकार कर लिया है, जिसके तहत उन्हें 'स्थगित इस्तीफ़ा' देने पर आठ महीने का वेतन दिया जाएगा।इसका अर्थ है कि एक लाख से ज़्यादा संघीय कर्मचारियों के पदों में कटौती की गई है, जो 23 लाख संघीय कर्मचारियों का लगभग 4.5 प्रतिशत है। यह व्हाइट हाउस के कर्मचारियों की संख्या को पांच से 10 प्रतिशत कम करने के लक्ष्य के करीब है।

मलाला यूसुफजई ने पैतृक गांव का दौरा किया

एजेंसी

इस्लामाबाद। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के शांगला जिले के अपने पैतृक गांव बरकाना शाहपुर का दौरा किया। उन्होंने स्थानीय समुदाय के साथ बातचीत की। मलाला इस्लामाबाद से हेलीकॉप्टर के जरिए पहुंचीं। उनके पिता जियाउद्दीन यूसुफजई और मां तूर पेकाई भी थे। शांगला जिला स्वात घाटी में है। यह घाटी दुनिया में मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता के लिए जानी जाती है। यह घाटी लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद से ग्रस्त रही है। मलाला पर इसी घाटी में आतंकी हमला हुआ था। द न्यूज अखबार के अनुसार, बाल अधिकार कार्यकर्ता और नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई का जन्म 12 जुलाई, 1997 को पाकिस्तान की स्वात घाटी के मिंगोरा कस्बे में हुआ था। उनके परिवार और स्कूली बच्चों ने मलाला का भावनात्मक स्वागत किया। मलाला अपने रिश्तेदारों से भी मिलीं। अपनी

यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव में मलाला ने मलाला यूसुफजई स्कूल का दौरा किया। उन्होंने छात्र-छात्रों से मुलाकात की। उनकी समस्याओं को सुना। इस अवसर पर छात्रों ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उर्दू और पश्तो में देशभक्ति गीत और भाषण प्रस्तुत किए। मलाला ने स्कूल प्रशासन के प्रयासों की सराहना की और अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने शांगला जैसे दूरदराज के इलाकों में बच्चों, विशेषकर युवा लड़कियों के लिए शिक्षा के महत्व पर भी जोर दिया। मलाला ने शाहपुर गर्ल्स हाईस्कूल में एक कार्यक्रम में भी भाग लिया। मलाला यूसुफजई ने जिंदगी ट्रस्ट के संस्थापक शहजाद रॉय के योगदान को सराहा।

अमेरिका से किसी भी तरह के संघर्ष के लिए तैयार है चीन

एजेंसी

बीजिंग। चीन ने अमेरिका को स्पष्ट संदेश दिया है कि वह किसी भी प्रकार के संघर्ष के लिए तैयार है, चाहे वह व्यापारिक टकराव हो या आर्थिक प्रतिबंधों की जंग। यह बयान तब आया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से आयातित सभी उत्पादों पर नए शुल्क लागू कर दिए।

अमेरिका के ट्रेड टैरिफ पर लिए फैसले के जवाब में चीन ने अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 10-15त्न तक के नए शुल्क लगाने की घोषणा की है। चीन के दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक आधिकारिक बयान साझा करते हुए कहा, यदि अमेरिका टकराव चाहता है, चाहे वह व्यापारिक हो या किसी अन्य रूप में, तो हम अंत तक मुकाबला करने के लिए तैयार हैं।

चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने घोषणा की कि देश का रक्षा बजट इस वर्ष भी 7.2फीसदी बढ़ाया

जाएगा। उन्होंने कहा, दुनिया में वह परिवर्तन हो रहे हैं जो पिछले सौ वर्षों में नहीं हुए और यह बदलाव तेजी से सामने आ रहे हैं।

बीजिंग सरकार देश की अर्थव्यवस्था की स्थिरता बनाए रखने और वैश्विक सहयोगियों को आकर्षित करने की रणनीति पर काम कर रही है। चीन ने खुद को शांति प्रिय और स्थिर राष्ट्र के रूप में पेश करने की कोशिश की है, जबकि अमेरिका को मध्य पूर्व और यूक्रेन में उलझा हुआ देश बताया है।

राष्ट्रपति दिसानायके के निमंत्रण पर अप्रैल में श्रीलंका दौरे पर जा सकते हैं पीएम मोदी

एजेंसी

कोलंबो । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के निमंत्रण पर अप्रैल के पहले सप्ताह में श्रीलंका की यात्रा पर जा सकते हैं। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी।

पीएम मोदी की संभावित यात्रा से भारत-श्रीलंका संबंधों में मजबूती आने के साथ ही दोनों पड़ोसी देशों के बीच जन-केंद्रित साझेदारी को गति मिलने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी थाईलैंड से वापस आते समय कोलंबो पहुंच सकते हैं। बैंकॉक में 2 से 4 अप्रैल तक बंगाल की खाड़ी बहुक्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) शिखर सम्मेलन का छठा आयोजन होगा। दिसानायके ने दिसंबर में तीन दिवसीय भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को अपनी सुविधानुसार जल्द श्रीलंका की यात्रा

करने के लिए आमंत्रित किया था।

सितंबर 2024 में पदभार ग्रहण करने के बाद दिसानायके की यह पहली विदेश यात्रा थी। दोनों नेताओं ने अपनी चर्चाओं के दौरान भारत-श्रीलंका देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने और संबंधों को मैत्रीपूर्ण बनाने पर सहमति जताई। दिसानायके ने अपनी भारत यात्रा को काफी सफल करार दिया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यात्रा के दौरान भारतीय नेतृत्व और व्यापारिक समुदाय के साथ उनकी सार्थक चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2014 से अब तक तीन बार श्रीलंका का दौरा कर चुके हैं।

प्रधानमंत्री की श्रीलंका की आखिरी यात्रा जून 2019, में ईस्टर संडे के हमलों के बाद एकजुटता व्यक्त करने के लिए हुई थी। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने मार्च 2015 में श्रीलंका का दौरा किया था, जो 1987 के बाद से भारत के किसी प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा थी। पीएम मोदी मई 2017 में श्रीलंका द्वारा आयोजित पहले अंतर्राष्ट्रीय वेसाक दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

जापान के कारखाने में विस्फोट से एक व्यक्ति की मौत

एजेंसी

टोक्यो। जापान के मध्य प्रांत ऐची में एक कारखाने में धूल संग्राहक यंत्र में विस्फोट होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा दो अन्य मामूली रूप से घायल हो गए।

क्योडो न्यूज ने स्थानीय अग्निशमन अधिकारियों के हवाले से बताया कि टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन की सहयोगी कंपनी चुओ स्प्रिंग कंपनी के एक कर्मचारी ने विस्फोट के बाद मदद के लिए स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 08:05 बजे आपातकालीन कॉल किया।

रिपोर्ट के अनुसार, विस्फोट होने से इमारत पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी।

इस घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके अलावा, मामूली रूप से घायल दो और अन्य लोग हैं।

डेनमार्क ने ट्रंप को दिया दो टूक जवाब, बोला 'ग्रीनलैंड कभी भी अमेरिका का हिस्सा नहीं होगा'

एजेंसी

ओस्लो । डेनमार्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने के लिए किए गए नए प्रयासों को खारिज कर दिया है। ट्रंप ने घोषणा की कि उनका प्रशासन ग्रीनलैंड के लोगों के अपने भविष्य को निर्धारित करने के अधिकार का पुरजोर समर्थन करेगा। उन्होंने कहा, और यदि आप चाहें, तो हम आपका संयुक्त राज्य अमेरिका में स्वागत करते हैं।

डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने ट्रंप के बयान को लेकर डेनमार्क की स्थिति को स्पष्ट किया और कहा कि ग्रीनलैंड का भविष्य केवल वहां के लोगों का फैसला होगा। उन्होंने कहा, ÷ग्रीनलैंड ग्रीनलैंड के लोगों का है। यह एक ऐसा रुख है जिसका हम डेनिश सरकार की ओर से बहुत दृढ़ता से समर्थन करते हैं।

ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूट एगेडे ने भी ट्रंप के दावे को पूरी तरह

खारिज किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि ग्रीनलैंड के लोग अमेरिका का हिस्सा बनने की इच्छा नहीं रखते हैं। डेनमार्क के रक्षा मंत्री ट्रॉल्स लुंड पॉल्सन ने भी इस बात को दोहराया और कहा, ग्रीनलैंड कभी भी अमेरिका का हिस्सा नहीं होगा।

ग्रीनलैंड, जो दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है, 1953 तक डेनमार्क का उपनिवेश था। उसके बाद यह डेनमार्क का अभिन्न हिस्सा बन गया और ग्रीनलैंड के लोगों को डेनिश नागरिकता मिल गई। 1979 में ग्रीनलैंड ने स्वशासन प्राप्त किया, लेकिन डेनमार्क ने अपनी विदेश और रक्षा नीति पर अधिकार बनाए रखा। यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने ग्रीनलैंड को अमेरिका का हिस्सा बनाने की बात की है। इससे पहले भी डेनमार्क ने इस विचार को खारिज किया था और कहा था कि ग्रीनलैंड बिक्री के लिए नहीं है। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री एगेडे ने फिर से कहा कि ग्रीनलैंड के लोग अपना भविष्य खुद तय करेंगे और वे न तो डेनिश बनना चाहते हैं और न ही अमेरिकी। उन्होंने फेसबुक पर पोस्ट करते हुए कहा, ÷हम न तो अमेरिकी बनना चाहते हैं, न ही डेनिश, हम कलालिट (ग्रीनलैंडर्स) हैं। अमेरिकियों और उनके नेताओं को यह समझना चाहिए।

अब ट्रंप ने यूक्रेन के लिए खुफिया जानकारी साझा करने पर भी लगाया प्रतिबंध

एजेंसी

वाशिंगटन/कीव। अमेरिका ने यूक्रेन के साथ खुफिया जानकारी साझा करने पर रोक लगा दी है। यूएस सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) के प्रमुख ने पुष्टि की है कि अमेरिका ने सैन्य सहायता निलंबित करने के अलावा यूक्रेन के साथ खुफिया जानकारी साझा करना बंद कर दिया है।सीआईए प्रमुख जॉन रैटक्लिफ का कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पास इस बारे में एक वास्तविक सवाल था कि क्या राष्ट्रपति जेलेंस्की शांति प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्ध हैं? इसी के बाद उन्होंने कहा कि आइए रुकें.. मैं उन्हें (जेलेंस्की को) इस बारे में सोचने का मौका देना चाहता हूं। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज ने कहा कि अमेरिका यूक्रेन के साथ खुफिया जानकारी साझा करना रोक रहा है। उन्होंने कहा, हमने एक कदम पीछे ले लिया है और रुककर इस रिश्ते के

सभी पहलुओं की समीक्षा कर रहे हैं।

इससे पहले, डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने सोमवार को यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता को निलंबित करने का फैसला लिया था। अब खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान पर प्रतिबंध लगाकर, अमेरिका ने यूक्रेन को और अधिक मुश्किल स्थिति में डाल दिया है।

यूक्रेन के लिए अमेरिकी खुफिया सहायता बेहद अहम रही है। यह न केवल रूसी सैन्य ठिकानों की पहचान करने बल्कि उनपर हमले की रणनीति तैयार करने में भी मदद करती थी। रिपोर्ट के अनुसार, तीन अधिकारियों ने पुष्टि की कि वाशिंगटन ने कीव के साथ खुफिया चैनल पूरी तरह से बंद कर दिए हैं।

अमेरिका की कार्टेल पर आक्रमण करने की कोई योजना नहीं है - वेंस

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस नेकहा कि अमेरिका की मेक्सिको में कार्टेल को निशाना बनाने के लिए उस पर आक्रमण करने की कोई योजना नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिकी सेना मेक्सिको में कार्टेल पर हमला करने की योजना बना रही है, तो श्री वेंस ने दक्षिणी सीमा पर संवाददाताओं से कहा, नहीं।

श्री वेंस ने बताया कि कार्टेल को नामित करने से डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन को सैन्य संसाधनों को तैनात करने की अनुमति मिलती है। उन्होंने कहा, मैं आज यहां मेक्सिको में किसी भी आक्रमण के बारे में कोई घोषणा नहीं करने जा रहा हूं। राष्ट्रपति के पास इन मुद्दों पर बोलने के लिए एक मेगाफोन है, जब उन्हें इसकी आवश्यकता महसूस होती है। श्री वेंस ने यह भी उम्मीद जताई कि मैक्सिकन अधिकारी कार्टेल का मुकाबला करने में अपना काम करेंगे। उन्होंने कहा, हम मेक्सिको के साथ नकारात्मक संबंध नहीं चाहते हैं। हम चाहते हैं कि मैक्सिकन सरकार न केवल खुद की मदद करे, बल्कि इन संगठनों को गंभीरता से लेकर अमेरिकी लोगों की भी मदद करे। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो हम वहां से आगे क्या करना है, यह पता लगाएंगे।

महंगी पड़ रही लागत, अमेरिका ने अप्रवासियों को भेजने के लिए सैन्य विमानों के इस्तेमाल पर लगाई रोक

एजेंसी

कैनबरा । अमेरिका ने अवैध अप्रवासियों को भेजने के लिए सैन्य विमानों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने अप्रवासियों को सैन्य विमानों से भेजने की महंगी लागत को देखते हुए यह कदम उठाया है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ अप्रवासियों को उनके देश या क्यूबा के ग्वांतानामो बे स्थित सैन्य अड्डे तक पहुंचाने के लिए अमेरिकी सैन्य विमानों का उपयोग महंगा साबित हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि इसलिए आने वाले दिनों कोई उड़ान निर्धारित नहीं की गई है। अंतिम सैन्य निर्वासन उड़ान एक मार्च को हुई थी। उन्होंने कहा कि इस रोक को बढ़ाया जा सकता है या स्थायी किया जा सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिकी और ग्वाटेमाला के अधिकारियों ने जो आंकड़े मुहैया कराए हैं, उसके मुताबिक ग्वाटेमाला के लिए अमेरिकी सैन्य निर्वासन उड़ान की लागत प्रति अप्रवासी कम से कम 4675 डॉलर पड़ रही है। यह एक अमेरिकन एयरलाइंस के प्रथम श्रेणी के एकतरफा टिकट की कीमत 853 डॉलर का पांच गुना से अधिक है। साथ ही यह लागत अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) द्वारा संचालित वाणिज्यिक चार्टर उड़ान की लागत

से भी काफी अधिक है। राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद ही डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका से करीब 1.1 करोड़ अवैध अप्रवासियों को निर्वासित करने की बात कही थी। इसके बाद अमेरिकी सेना ने लैटिन अमेरिकी देशों में अवैध अप्रवासियों को लेकर छह उड़ानें भरी हैं।

ट्रंप अवैध अप्रवासियों पर शिकंजा कसने के लिए सेना का भरपूर इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने मेक्सिको सीमा पर सेना के जवानों की तैनाती की है। वहीं अवैध अप्रवासियों को रखने के लिए सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल किया जा रहा है और सेना के विमानों से ही अवैध अप्रवासियों को निर्वासित किया जा रहा है। हालांकि दावा किया जा रहा है कि सेना के विमानों से अवैध अप्रवासियों को भेजने की लागत नागरिक विमानों की तुलना में बहुत ज्यादा है।

अमेरिका ने अब तक कितने भारतीयों को वापस भेजा

अमेरिका अब तक तीन सैन्य विमानों के जरिए 332 भारतीयों को भारत भेजा है। अमेरिका से अवैध प्रवासियों को लाने वाली पहली फ्लाइट 5 फरवरी को भारत के अमृतसर में लैंड हुई। तब इसमें 104 लोग सवार थे, जिनमें 30 पंजाबी थे। इसके अलावा 15 फरवरी को 116 और 16 फरवरी को 112 भारतीयों को लेकर भी अमेरिकी सैन्य उड़ानें भारत पहुंची थीं।

फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की खेती

पहाड़ी क्षेत्रों में फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की बुआई खरीफ में एवं निचले स्थान तथा तराई क्षेत्र में बसन्त ऋतु में की जाती है । यह उत्तर पूर्वी क्षेत्रों एवं महाराष्ट्र के पहाड़ी क्षेत्रों में रबी में ली जाती है। यह फसल पाला एवं जल भराव के प्रति अधिक संवेदनशील है। फसल की वृद्धि के लिए 10 से 2। डिग्री सेंटीग्रेट अनुकूल तापमान है। 30 डिग्री सेंटीग्रेट से ज्यादा तापमान होने पर फूलों के झड़ने की अधिक समस्या पाई गई है। 5 डिग्री सेंटीग्रेट तापमान से कम होने पर फूलों एवं फलियों तथा शाखाओं में क्षति होती है।

भूमि का चुनाव

फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की खेती के लिए गहरे-हल्के गठन वाली बलुई दोमट से बुलई चिकनी मृदायें उपयुक्त रहती हैं। अधिक जल धारण क्षमता वाली मृदा जिसका पीएचपी मान 6.5 से ।.5 उत्तम रहती है। लवणीय तथा क्षारीय मृदायें अनुपयुक्त रहती हैं। निष्कर्ष यह निकलता है, की फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की खेती हल्की दोमट मिट्टी से लेकर भारी चिकनी मिट्टी तक में की जा सकती है।

खेत की तैयारी

प्रथम जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा 2 से 3 जुताईयाँ देशी हल या कल्टीवेटर से करने के पश्चात् पाटा चलाकर खेत समतल कर लेना चाहिए। दीमक से फसल सुरक्षा हेतु क्लोरपायरीफास 1.2 प्रतिशत 20 किलो प्रति हेक्टेयर की दर से अंतिम जुताई के समय मिट्टी में मिलाना चाहिए और खेत में जल निकास की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए एवं खेत खरपतवार मुक्त होना चाहिए।

फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की खेती सब्जी एवं दाना के लिए की जाती है। स्वाद और सेहत के लिहाज से फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की फलियां (बीन्स) सबसे महत्वपूर्ण होती है, और इसकी जायकेदार सब्जी प्राय: सभी लोग बेहद पसंद करते है। अधिक मांग होने की वजह से बाजार में इसकी बीन्स सबसे मंहगे दामों में बिकती है। इसलिए फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) को नकदी फसल के रूप में उगाया जाने लगा है। यह खाने में स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक होता है, और मुनाफे की दृष्टि से अन्य दलहनों से बेहतरीन फसल है।

फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) के दानों में सामान्यत 23 प्रतिशत प्रोटीन, 60 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। इसके 100 ग्राम दानों में 260 मिली ग्राम कैल्शियम, 410 मिली ग्राम फॉस्फोरस, एवं 5.8 मिली ग्राम लौह तत्व पाये जाते हैं, जो मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक होते है।

फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की खेती द्वारा भारत में उत्तर के मैदानी क्षेत्रो, हिमालयन रीजन के पहाड़ी क्षेत्रो और महाराष्ट्र से सबसे अधिक उत्पादन मिलता है। यदि कृषक इसकी खेती वैज्ञानिक तकनीक से करें, तो फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की फसल से इच्छित उपज प्राप्त की जा सकती है। इस लेख में फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की उन्नत खेती कैसे करें का विस्तृत उल्लेख है।

वी.एल 60- यह खरीफ एवं रबी दोनों मौसम के लिये उपयुक्त हैं।

इसके दानों का रंग भूरा एवं 100 दानों का वजन 36 ग्राम तक होता है। यह 110 से 115 दिन में पककर 15 से 20 क्विंटल/हेक्टेयर दाना उपज देती है।

अन्य किस्में- बी.एल 63, अम्बर, आई.आई.पी.आर 96-4, उत्कर्ष, आई.आई.पी.आर 98-5, एच.पी.आर 35, बी,एल 63, अरुण और हूर - 15 आदि है।

बोवाई का समय

फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की खेती के उत्पादन पर बोवाई के समय का प्रभाव अन्य दलहनी फसलों की अपेक्षा अधिक पड़ता है। देश के उत्तरी पूर्वी भाग में फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की बोवाई का सबसे उपयुक्त समय अक्टूम्बर के अंतिम सप्ताह से लेकर नवम्बर के प्रथम सप्ताह तक होता है।

परन्तु देश के उत्तर पश्चिमी भाग जैसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब में अधिकतम उपज सितम्बर के मध्य में बोने से प्राप्त होती है। जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में जून के अन्तिम सप्ताह से जुलाई के पहले सप्ताह तक बुवाई का उपयुक्त समय है। देर से बोवाई करने पर उपज में भारी कमी आ जाती है, क्योंकि ऐसी अवस्था में फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) के पौधों की वानस्पतिक वृद्धि घट जाती है। जिसमे फलियों की संख्या और दानों के भार में काफी कमी आ जाती है।

बीज की मात्रा

फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) से अधिकतम उत्पादन प्राप्त करने के लिए 2.5 से 3.5 लाख पौधे प्रति हैक्टेयर अवश्य होने चाहिए। यह पौध संख्या दानों के भार के अनुसार बीज दर से प्राप्त की जा सकती है।

झाड़ीदार किस्म - 80-90 कि.ग्रा. बीज/हेक्टेयर
बेलदार किस्म - 35-30 कि.ग्रा. बीज/हेक्टेयर

बीज शोधन

बीजोपचार फफूँदीनाशी रसायन कार्बेन्डाजिम (बाविस्टीन 50 डब्लूपी) 3 ग्राम प्रति किलो ग्राम बीज के हिसाब से उपचारित करना आवश्यक है, या 2 से 3 ग्राम थीरम से प्रति किलोग्राम बीज की मात्र के हिसाब से बीज शोधन करना चाहिए।

बुवाई विधि

फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की खेती के लिए लाइन से लाइन की दूरी 30 से 45 सेंटीमीटर रखते है, और पौधे से पौधे की दूरी 10 सेंटीमीटर रखते है, इसकी बुवाई 8 से 10 सेंटीमीटर की गहराई पर करते है। लेकिन बेलदार किस्मों के लिए पंक्ति से पंक्ति 100 से.मी. की दूरी रखनी चाहिए तथा पौधों को सहारा देने का प्रबंध आवश्यक है। बीज अंकुरण के लिए पर्याप्त नमी का होना भी आवश्यक है।

खाद एवं उर्वरक

फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की अधिक उपज लेने के लिए खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करना आवश्यक है। गोबर की खाद या कम्पोस्ट 10 से 15 टन प्रति हेक्टेयर की दर से खेत की अंतिम जुताई के समय मिलाना चाहिए। इसके साथ साथ 120 किलोग्राम नत्रजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस एवं 30 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर तत्व के रूप में देना आवश्यक है।

नत्रजन की आधी मात्रा, फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के समय तथा बची आधी नत्रजन की आधी मात्रा खड़ी फसल में देनी चाहिए। इसके साथ ही 20 किलोग्राम गंधक की मात्रा देने से लाभ होता है। 20 प्रतिशत यूरिया के घोल का छिड़काव बुवाई के बाद 30 दिन तथा 50 दिन में करने पर उपज अच्छी मिलती है।

उन्नत किस्में

झाड़ीदार किस्में - जाइंट स्ट्रींगलेस, कंटेंडर, पेसा पार्वती, अक्र कोमल, पंत अनुपमा तथा प्रीमियर, वी.एल. बोनी-1

बेलदार किस्में - केंटुकी वंडर, पूसा हिमलता व एक.वी0एन.-1

एच.यू.आर15- सफेद दानों वाली किस्म है। इसके 100 दानों का वजन 40 ग्राम तक है, तथा 120 से 125 दिनों में पककर तैयार होती है। इसकी उपज 18 से 22 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

पी.डी.आर 14 (उदय)- यह बड़े दानों वाली किस्म है, जिसके 100 दानों का वजन 44 ग्राम तक होता है, तथा इसके दानों का रंग सफेद-चित्तीदार होता है। यह किस्म 125 से 130 दिनों में पककर तैयार हो जाती है, तथा इसकी अधिकतम उत्पादन क्षमता 20 से 25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हैं।

एच.यू.आर 15- सफेद दानों वाली किस्म है। इसके 100 दानों का वजन 40 ग्राम तक है, तथा 120 से 125 दिनों में पककर तैयार होती है। इसकी उपज 18 से 22 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

रोग एवं रोकथाम

एन्ट्रेक्नोज- फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) के प्रभावित पौधे के बीजपत्र पर पीले-भूरे चित्तेदार धब्बे दिखाई देते हैं। पत्तियों के ऊपरी, निचली एवं साथ ही साथ तनों पर भी गहरे रंग के धारीदार धब्बे दिखाई देते हैं।

रोकथाम-

1. बीजोपचार थायरम + कार्बेन्डाजिम (2:1) 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज ग्राम की दर से उपचार करें।
2. मेंकोजेब का छिड़काव 0.25 प्रतिशत (2.5 ग्राम प्रति लीटर) दर से अथवा कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत (1 ग्राम प्रति लीटर) का 2 से 3 बार पत्तों पर छिड़काव बुवाई के 40, 60 एवं 75 दिन के बाद करें।
3. संक्रमित पौधे को खेत से बाहर निकाले तथा फसल अवशेष को नष्ट करें।
4. 2 से 3 साल का फसलचक अपनायें।
5. फव्वारा पद्धति से सिंचाई न करें।
6. खेत में अधिक नमी होने पर आवाजाही न करें।

तना गलन- इसके प्रारम्भिक लक्षण फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की पत्तियों पर छोटे जलीय धब्बे के रूप में संक्रमण के 4 से 10 दिन में ही दिखाई देने लगते हैं। धब्बों का केन्द्र सूख कर भूरा तथा किनारे चमकीले पीले रंग के हो जाते रोकथाम-

1. कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत (1 ग्राम प्रति लीटर) की दर से 2 से 3 बार पत्तियों पर छिड़काव फूल आने के समय एवं उसके पहले करें।
2. जल्दी अथवा समय पर बुवाई करें।
3. अच्छी जल निकासी वाली भूमि में बुवाई करें।
4. घनी बुवाई ना करें।

कोणीय धब्बे- फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की पत्तियों पर कोणीय लाल भूरे रंग के धब्बे दिखाई देते हैं। धब्बे आपस में मिलकर नेकोसिस जैसी अवस्था बनाकर पत्तियों को गला देती है।

रोकथाम-

1. बीजोपचार फफूंदनाशक दवा कार्बेन्डाजिम से 2 से 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से करें।
2. कार्बेन्डाजिम का छिड़ाकाव (0.1 प्रतिशत) संक्रमण की शुरूआत में तथा बुवाई के 5 से 6 सप्ताह पश्चात पर्ण छिड़काव के रूप में करें।
3. कटाई पश्चात् गहरी जुताई कर फसल अवशेष नष्ट करें।

कीट एवं रोकथाम

पर्ण सुरंगक- फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की पत्तियाँ पीली हो कर झड़ जाती हैं। अधिक संक्रमित पौध बौने रह जाते हैं। यह कीट वनस्पतीय अवस्था में दिखाई देते हैं।

रोकथाम-

1. मिथाइल डेमेटॉन 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
2. संक्रमित पौधों को निकालकर खेत से दूर नष्ट करें।
3. संक्रमित पत्तियों को तोड़कर नष्ट करें।
4. नीम के पानी का छिड़काव भी पर्ण सुरंगक के लिए लाभप्रद है।

तना मक्खी- तनों का फूल जाना एवं दो हिस्सों में टूटना अथवा पाश्र्व जड़ों का न बनना, संक्रमित पौधे में आकस्मिक जड़ों का दिखाई देना। अंकुरित पौधों का सूख कर मर जाना।

रोकथाम-

1. क्लोरोपायरीफॉस 8 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम की दर से बीजोपचार करें।
2. फोरेट 10 जी 10 किलोग्राम मात्रा का बुवाई के समय उपयोग करें।
3. पलवार की मदद से मृदा में नमी बरकरार रखना जिससे आकस्मिक मेगट क्षति से बचा जा सके।

काला माहू- यह कीट पत्तियों के रस को चूसता है। अधिक संक्रमित पौधों की पत्तियाँ सूख कर मुड़ जाती हैं। फलियां बौनी एवं विकृत हो जाती हैं। पौधे सूख कर मर जाते हैं।

रोकथाम-

1. जैविक नियंत्रण काकसिनेला सेपटमपंक्टा 1000 वयस्क प्रति 400 वर्ग मीटर के हिसाब छोड़ें।
2. इमिडाक्लोरोप्रिड 1।.8 एस एल की 0.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करे।
3. सिस्टेमिक कीटनाशक जैसे डायमिथिएट या मिथाइल डेमेटान 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के दर से छिड़काव करें।

हरी सब्जी की तुड़ाई फूल आने के 2-3 सप्ताह बाद आरंभ हो जाती है। तुड़ाई नियमित रुप से जब फलियाँ नर्म व कच्ची अवस्था में हो, तभी करें। 120 से 130 दिन में फसल पक कर तैयार हो जाती है। कटाई के बाद 3 से 4 दिन तक फसल को धूप में सुखाएं, जब तक बीज की नमी 9 से 10 प्रतिशत न हो जाए। उसके बाद दानों को भूसे से अलग कर लें।

पैदावार

उपरोक्त वैज्ञानिक विधि से फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की खेती करने और फसल के अनुकूल परिस्थितियों में हरी फली उपज ।5-100 क्विंटल/हेक्टेयर की दर से प्राप्त होती है। यह प्रजाति के प्रकार पर भी निर्भर करती है। दाना के लिए 20 से 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर सिंचित खेती से मैदानी क्षेत्रों में तथा । से 12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर बारानी में उपज प्राप्त होती है।

अधिक उत्पादन लेने हेतु आवश्यक बिंदू-

1. ग्रीष्म कालीन गहरी जुताई तीन वर्ष में एक बार अवश्य करें।
2. बुवाई पूर्व फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) का बीजोपचार अवश्य करें।
3. पोषक तत्वों की मात्रा मृदा परीक्षण के आधार पर ही दें।
4. पौध संरक्षण के लिये एकीकृत पौध संरक्षण के उपायों को अपनाना चाहिए।
5. खरपतवार नियंत्रण अवश्य करें।

फ्रांसबीन की सब्जी

फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की हरी पौध सब्जी के रूप में खायी जाती है तथा सुखा कर इसे राजमा, लोबिया इत्यादि के रूप में खाया जाता है। हरी बीन्स या सामान्य भाषा में फ्रेंच बीन्स में मुख्यत: पानी, प्रोटीन, कुछ मात्रा में वसा तथा कैल्सियम, फास्फोरस, आयरन, कैरोटीन, थायमीन, राइबोफ्लेविन, नियासीन, विटामिन सी आदि तरह के मिनरल और विटामिन मौजूद होते हैं। बीन्स विटामिन बी2 का मुख्य स्रोत होते हैं। बीन्स सोल्युबल फाईबर का अच्छा स्रोत होते हैं और इस कारण ह्रदय रोगियों के लिए बहुत ही फ़ायदेमंद हैं। ऐसा माना जाता है कि एक कप पका हुआ बीन्स रोज़ खाने से रक्त में कोलेस्टेरोल की मात्रा 6 हफ्ते में 10 प्रतिशत कम हो सकती है और इससे ह्रदयाघात का खतरा भी 40 प्रतिशत तक कम हो सकता है। बीन्स में सोडियम की मात्रा कम तथा पोटेशियम, कैल्सियम व मेग्नीशियम की मात्रा अधिक होती है और लवणों का इस प्रकार का समन्वय सेहत के लिए लाभदायक है। इससे रक्तचाप नहीं बढ़ता तथा ह्रदयाघात का खतरा टल सकता है।

हैं।

मिश्रित खेती

आजकल के युग में खेती योग्य भूमि पर जनसंख्या का बोझ दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। ऐसी परिस्थिति में मिश्रित खेती अपना कर किसान प्रति इकाई भूमि से अधिक उत्पादन ले सकते हैं। हमारे देश में कृषिगत क्षेत्र का लगभग 65 प्रतिशत भाग वर्षा पर आधारित है।

प्राकृतिक आपदा जैसे अनावृष्टि के कारण-सूखा या अतिवृष्टि के कारण बाढ़ के फलस्वरूप बहुधा फसलें बिलकुल नष्ट हो जाती हैं। इस प्रकार की परिस्थिति में आर्थिक दृष्टिकोण से मिश्रित खेती सुरक्षा कवच का काम करती है।

जब एक बार में एक से अधिक फसल एक जगह पर उगाया जाती है तो उसे मिश्रित फ़सल कहते हैं। पूराने समय से ही मिश्रित फसलों की खेती हमारी कृषि प्रणाली का एक अभिन्न अंग रही है। हमारे पूर्वजों ने बहुफसलीय खेती की संकल्पना मौसम की विपरीत परिस्थितियों में फसल सुरक्षा के लिए की थी।

क्योंकि जब एक खेत में एक ही साथ दो-या-दो से अधिक फसलें उगाई जाती हैं तो यह संभावना होती है कि अगर कोई फसल मौसम की असामान्यता के कारण नष्ट हो जाए तब भी दूसरी या तीसरी फसल बच सकती है। ऐसे में उस विषम परिस्थिति में भी खेत से लाभ प्राप्त किया जा सकता है। सिन्धु घाटी की सभ्यता के एक प्रमुख स्थल कालीबंगा से मिले जुताई के कूड़ों से पता चला है कि उस समय भी कई फसलों को एक साथ मिला कर खेती की जाती थी। मोहनजोदड़ो में गेहूं, जौ तथा चना की खेती एक साथ मिला कर की जाती थी।

सभी फसलों की वृद्धि का क्रम, उनकी जड़ों की गहराई और उनके पोषक तत्वों की आवश्यकता अलग-अलग होती है।

ऐसे में दो ऐसी फसलें जैसे आलू + मक्का, हल्दी + अरहर, मूंगफली + अरहर, जिनमें एक उथली जड़ वाली और दूसरी गहरी जड़ वाली हों, तो दोनों मिट्टी की अलग-अलग सतहों से नमी एवं पोषक तत्वों का भरपूर अवशोषण तथा उपयोग करती हैं और इस प्रकार जल एवं पोषक तत्वों के उपयोग की क्षमता बढ़ने से उनकी उपज बढ़ जाती है।

वहीं कुछ फसलों की उपस्थिति उसकी सहयोगी फसल को कीड़ों के आक्रमण से बचाती है। जैसे मक्का की फसल में ज्वार, लाल मिर्च में सौंफ तथा चना की फसल में धनिया की मिश्रित खेती कुछ ऐसे ही उपयोगी उदाहरण हैं।

सिंचित क्षेत्र के लिए मिश्रित फसल प्रणाली

रबी मक्का + आलू, आलू + बाकला, रबी मक्का + राजमा (मैदानी क्षेत्रों के लिए) रबी मक्का + धनिया (हरी पत्तियों के लिए), शरदकालीन गन्ना+ मिर्च, गन्ना + धनिया, गन्ना+मगरैला, गन्ना+ लहसुन, गन्ना+ आलू, गन्ना+गेहूं, गन्ना+अजवाइन, गन्ना+मसूर, बसन्त कालीन गन्ना+भिण्डी, गन्ना+मूंग ? गन्ना+उड़द, प्याज+अजवाइन, प्याज+भिण्डी, प्याज+मिर्च, सौंफ+मिर्च

असिंचित क्षेत्र के लिए मिश्रित फसल प्रणाली

बाजरा+ मूंग, बाजरा+अरहर, मक्का+उड़द, गेहूं+चना, जौ+चना, जौ + मटर, ज्वार+ अरहर और गेहूं+मटर

अनाज के फसलों का तिलहन फसलों के साथ मिश्रण

गेहूं+सरसों, जौ+ सरसों, गेहूं+अलसी, जौ+अलसी

दलहन फसलों का दलहन और तिलहन फसलों के साथ मिश्रण

अरहर+मूंग, अरहर+उड़द, अरहर+मूंगफली, चना+ अलसी, चना + सरसों, मटर+सरसों, मटर+कुसुम

दो से अधिक फसलों का मिश्रण

ज्वार+अरहर+मूंग , बाजरा+अरहर+मूंग, ज्वार+अरहर+उड़द, जौ+मटर+ सरसों, चना+ सरसों+अलसी, चना+अलसी+कुसुम और गेहूं+चना+सरसों

आइए यहां हम आपको कुछ फसलों के साथ मिश्रित फसल खेती की पूरी प्रक्रिया की जानकारी विस्तृत रुप से देते हैं।

सबसे पहले जून महीने के तीसरे-चौथे सप्ताह तक खेत में पड़ा कूड़ा-करकट साफ कर देते हैं। उसके बाद बारिश होने के बाद खेत की पहली जुताई ट्रैक्टर से कराते हैं। फिर दो से तीन जुताई हल से और ट्रैक्टर से करते हैं।

ऐसी फसल बोने को प्राथमिकता देते हैं, जिनमें पानी की आवश्यकता कम हो। साथ ही एक फसल चक्र पूरा होने के बाद दूसरे फसल चक्र में अलग फसलों की बुवाई करते हैं। प्रतिवर्ष फसल बदल-बदल कर बोते हैं, जिससे खेत को पर्याप्त पोषक तत्व व नमी मिलती रहे।

घर पर संरक्षित व सुरक्षित देशी बीजों का प्रयोग करते हैं।

बीज की मात्रा

एक एकड़ खेत में मिश्रित बुवाई करने के लिए अरहर 5 किलोग्राम, बाजरा 2 किलोग्राम, मूंग 2 किलोग्राम और तिल डेढ़ किलोग्राम को मिलाकर बुवाई करते हैं।

बुआई का समय और तरीका

अगस्त महीने के पहले हफ्ते में छिटकवा विधि से बुवाई करते हैं। इसके लिए खेत की आखिरी जुताई ट्रैक्टर से करने के पश्चात् 3 से 5 इंच की गहराई पर इसकी बुवाई ट्रैक्टर की सहायता से सीडड्रिल मशीन से ही कराते हैं।

एक एकड़ हेतु एक ट्राली देशी खाद की आवश्यकता होती है, जिसे पहली जुताई के समय खेत में मिला दिया जाता है। किसान चाहे तो जीवामृत का भी प्रयोग कर सकते हैं।

फसल की बढ़वार होती रहे, इसके लिए समय-समय पर खेत की निराई की जाती है। इससे एक तरफ तो हमारा खेत साफ रहता है और दूसरी तरफ जानवरों के लिए चारा भी उपलब्ध हो जाता है।

बाजरा, मूंग व तिल के पकने की अवधि 60-90 दिनों की होती है, जबकि अरहर 8-9 महीने की फसल ही है, जो मार्च में पक जाती है।

तिल की फसल की कटाई सितम्बर के अंतिम सप्ताह या फिर अक्टूबर के प्रथम सप्ताह तक हो जाती है। तिल की कटाई करके, एक जगह सुखा कर, डण्ठल को हिलाकर इसका बीज झाड़ लिया जाता है।

मूंग की एक-एक फली की तुड़ाई की जाती है। यह तुड़ाई सितम्बर के प्रथम सप्ताह से प्रारम्भ हो जाती है। इसकी कुटाई करके बीज निकाला जाता है।

बाजरा की कटाई अक्टूबर के अंतिम सप्ताह या नवम्बर के प्रथम सप्ताह तक हो जाती है। बाजरा की मड़ाई बैलों से करते हैं। इसके दाने निकालने के लिए थ्रेसर का प्रयोग भी किया जा सकता है।

मार्च में अरहर पकने के बाद इसकी कटाई कर लेते हैं। अरहर को काटकर सुखाते हैं। तब कुटाई करके इसका बीज निकालते हैं।

देशी बाजरा - 4 क्विंटल
देशी अरहर - 1 क्विंटल
देशी तिल- 50 किलोग्राम
देशी मूंग- 30 किलोग्राम

मिश्रित फसल उत्पादन से लाभ

इससे भूमि की बचत होती है।
खेत की लागत कम हो जाती है।
मैसेज फसलोत्पादन फसलों के असफलता के विरुद्ध एक प्रकार का बीमा है अथवा इंश्योरेंस।
भूमि से जल तथा पोषक तत्वों के अवशोषण में संतुलन बना रहता है।
प्रति इकाई खेत से अधिक उपज पैदा होती है।
मृदा का कटाव कम हो जाता है।